माता
अमृतानन्दमयी
मठ

एक उपस्थिति जो जीवन बदल देती है

श्री माता अमृतानन्दमयी देवी की मानवीय पहल

श्री माता अमृतानन्दमयी देवी—आध्यात्मिक गुरु, मानवतावादी और दूरदर्शी—का जन्म 1953 में केरल के एक सुदूर तटीय गाँव में हुआ था। अपने समुदाय में व्याप्त गरीबी के कारण, उन्होंने कम उम्र में ही इस संसार में विद्यमान गहरी असमानताओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा और यह प्रश्न किया कि कुछ लोगों को जीवन में इतना कष्ट क्यों सहना पड़ता है। अपनी सामर्थ्य के अनुसार उन्होंने ज़रूरतमंदों को भोजन और कपड़े देना शुरू किया। उनके दुख को कम करने के लिए उन्होंने उन्हें स्नेहपूर्वक गले लगाना भी आरंभ किया। उनके इस दिव्य मातृभाव का अनुभव करते हुए, ग्रामीण उन्हें प्रेम से 'अम्मा' कहकर पुकारने लगे।

इस विश्वास के साथ कि हम में से प्रत्येक की जिम्मेदारी है कि हम वंचितों की सहायता करें, अम्मा करुणा और सेवा के भाव से जीवन-पथ पर दृढ़ता के साथ आगे बढ़ीं। अम्मा कहती हैं, "मुझसे समस्त सृष्टि की ओर प्रेम की एक निरंतर धारा बहती है। यह मेरा जन्मजात स्वभाव है। जिस प्रकार एक डॉक्टर का कर्तव्य मरीजों का उपचार करना है, उसी प्रकार मेरा कर्तव्य उन लोगों को सांत्वना देना है जो पीड़ित हैं।"

आज, दशकों बाद, अम्मा वास्तव में एक विश्व नागरिक बन चुकी हैं। वह पूरे भारत के साथ-साथ विश्वभर में—अफ्रीका, मध्य पूर्व, एशिया, यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में—निःशुल्क सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करती हैं। अपने सत्संगों में अम्मा व्यक्तिगत आध्यात्मिक पूर्णता के साथ-साथ हमारे समय के महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर भी ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। जलवायु परिवर्तन से लेकर आतंकवाद तक, अंतर-सांस्कृतिक तनाव से लेकर लैंगिक समानता तक, तथा गरीबी से लेकर ऑनलाइन यौन शोषण तक—अम्मा के विचार हम में से प्रत्येक को एक संवेदनशील और करुणामय समाज के पुनर्निर्माण में सहभागी बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

> **"ईश्वर का अस्तित्व है या नहीं, यह बहस का विषय हो सकता है, लेकिन कोई भी तर्कसंगत व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि पीड़ित मानवता का अस्तित्व नहीं है—हम उस दुख को अपनी आँखों से देख सकते हैं। मेरी दृष्टि में ऐसे लोगों की सेवा ही ईश्वर की पूजा है।"**
>
> **— अम्मा**

अम्मा का संदेश
प्रेम की क्रांति

65 से अधिक वर्षों से अम्मा अपने बच्चों के दुख-दर्द, उनकी छोटी-छोटी खुशियों, उनकी शिकायतों और उनके विलाप को सुनती आई हैं। वे उनके हृदय की पीड़ा की गहराई को समझती हैं और उनके आँसुओं के पीछे छिपे दर्द को भली-भाँति जानती हैं।

डर वह मुख्य बाधा है जो हमारे मार्ग में खड़ी हो जाती है। यह हमारी शक्तियों और प्रतिभाओं का पूर्ण उपयोग करने की क्षमता को छीन लेता है। परंतु हमारे भीतर एक ऐसी विशेष शक्ति भी है जो हमें भय पर विजय पाने में सहायता कर सकती है—वह है प्रेम। प्रेम हमें हर बाधा को पार करने और आगे बढ़ने की शक्ति देता है।

सृष्टि की हर वस्तु अपने आप में एक अद्भुत चमत्कार है, और सबसे बड़ा चमत्कार मनुष्य है। इसका कारण यह है कि मनुष्य में गहराई से चिंतन करने, सही और गलत के बीच अंतर करने और उसी के अनुसार आचरण करने की अनूठी क्षमता होती है। जब यह विवेक जागृत होता है, तब एक नई भोर का उदय होता है।

यह संसार एक फूल के समान है और प्रत्येक राष्ट्र उसकी एक पंखुड़ी है। यदि किसी एक पंखुड़ी में रोग लग जाए, तो क्या उसका प्रभाव बाकी पंखुड़ियों पर नहीं पड़ेगा? क्या वह रोग पूरे फूल के जीवन और सौंदर्य को नष्ट नहीं कर देगा? इसलिए हममें से प्रत्येक का यह कर्तव्य है कि इस विश्व-रूपी फूल की सुंदरता और सुगंध को सुरक्षित रखें।

जब हम साथ आते हैं, तो हम एक शक्ति बन जाते हैं—एक अजेय शक्ति। जब हम प्रेम के साथ हाथ से हाथ मिलाकर कार्य करते हैं, तो यह केवल एक जीवन की शक्ति नहीं रहती, बल्कि अनगिनत लोगों की जीवन-ऊर्जा बन जाती है, जो बिना किसी बाधा के सामंजस्य में प्रवाहित होती है। इसी एकता की निरंतर धारा से वास्तविक प्रगति संभव है और उसी से शांति का उदय होगा।

यदि वास्तव में यही हमारा लक्ष्य है, तो आगे बढ़ने का एक ही मार्ग है—हमें प्रेम की क्रांति का आरंभ करना होगा। कोई भी क्रांति, चाहे उसका स्वरूप या नेतृत्व कुछ भी हो, धर्म और सकारात्मक परिवर्तन पर आधारित होनी चाहिए। बिना किसी भेदभाव के निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करना ही किसी भी क्रांति का सच्चा उद्देश्य है। और यह केवल प्रेम की शक्ति से ही संभव है।

यह क्रांति सबसे पहले हमारे अपने मन में प्रारंभ होनी चाहिए। वहाँ से यह हमारे घर और समुदाय तक फैलनी चाहिए। उसके बाद बाकी सब अपने आप घटित हो जाएगा। जब यह लक्ष्य प्राप्त होगा, तब एक महान विश्व-परिवार का हमारा स्वप्न साकार होगा।

मानव जीवन का उद्देश्य प्रेम में जन्म लेना, प्रेम में जीना और अंततः प्रेम में ही विलीन हो जाना है। वास्तव में शुद्ध प्रेम का कोई अंत नहीं होता। प्रेम ही वह शक्ति है जो सृष्टि के प्रत्येक जीव को जोड़ती है। चाहे मनुष्य हो या पशु—इसी प्रेम की शक्ति से एक शिशु अपनी माँ से और एक माँ अपने शिशु से जुड़ी रहती है।

प्रेम भीतर की अनुभूति है और करुणा उसकी बाहरी अभिव्यक्ति। यदि हम करुणा को केवल शब्दों तक सीमित न रखकर उसे कर्म का रूप दे सकें, तो संसार की अधिकांश मानवीय समस्याओं का समाधान संभव है।

काश हमारे मन, आँखें, कान और हाथ दूसरों के दुख और पीड़ा को सचमुच समझ और अनुभव कर पाते। तब कितनी आत्महत्याएँ रोकी जा सकती थीं! कितने लोगों को भोजन, वस्त्र और आश्रय मिल सकता था! और धन, प्रसिद्धि तथा पद के नाम पर होने वाले कितने संघर्ष टाले जा सकते थे!

जिस प्रकार पूर्णिमा का चाँद उदित होते ही रात का अंधकार दूर होने लगता है, उसी प्रकार प्रेम, करुणा और निस्वार्थता का प्रकाश मानवता को ढके हुए स्वार्थ, घृणा और संघर्ष के अंधकार को दूर करे। अच्छाई की एक नई और सुंदर भोर उदित हो। सत्य और धर्म का प्रकाश सभी के हृदयों को आलोकित करे।

अम्मा, श्री माता अमृतानन्दमयी देवी
संस्थापक, माता अमृतानन्दमयी मठ

माता अमृतानन्दमयी मठ,
अमृतपुरी

दुनिया भर में अम्मा के नेतृत्व में, माता अमृतानन्दमयी मठ के मानवीय सेवा कार्यक्रम बहुआयामी हैं और ज़रूरतमंदों की मदद करने के उद्देश्य से हैं। यह हमारे साथी मनुष्यों के साथ करुणा और एकता की भावना को प्रेरित करता है, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। ये कार्यक्रम जहाँ भी और जब भी संभव हो, पाँच बुनियादी ज़रूरतें—भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका—प्रदान करके गरीबों के बोझ को कम करने का प्रयास करते हैं। मठ विशेष रूप से बड़ी आपदाओं के बाद इन ज़रूरतों को पूरा करने में मदद करने पर केंद्रित हैं।

इन प्रयासों को बढ़ाते हुए, मठ अपने नाजुक ग्रह के भविष्य की रक्षा में मदद करने के लिए पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के क्षेत्र में काम करते आया हैं। और अमृता विश्वविद्यालय के माध्यम से, हमारे शोधकर्ता वस्तुओं, ज्ञान, सूचना, ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा की डिलीवरी के नए साधनों का आविष्कार कर रहे हैं, ताकि हम यहाँ और अभी गरीब लोगों तक मदद पहुँचा सकें।

हमारे संगठन की मानवीय सेवाओं का बड़ा हिस्सा समर्पित स्वयंसेवकों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता है। अम्मा का संदेश आज दुनिया भर में पहचाना जाता है और उसने जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को आगे आकर अपना समय और सेवा देने के लिए प्रेरित किया है।स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर अनुसंधान और निर्माण तक, स्वयंसेवकों का योगदान परियोजनाओं की लागत को काफी कम कर देता है। इससे दाताओं का प्रत्येक योगदान कई गुना प्रभावी हो जाता है और बड़ी संख्या में ज़रूरतमंद लोगों तक सहायता पहुँच पाती है।

अधिक जानकारी के लिए देखें: amma.org/humanitarian

हर साल 1 करोड़ भोजन परोसा गया

3 लाख लोगों को आवास दिया गया

64.5 लाख लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा दी गई

55,000 बच्चों को छात्रवृत्ति दी गई

2.5 लाख महिलाओं को नौकरियों के साथ सशक्त बनाया गया

निराश्रितों के लिए 1 लाख पेंशन

आपदा राहत के लिए ₹713 करोड़

दुनिया भर में 60 लाख पेड़ लगाए गए

15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों की शुरुआत की गई

दर्शन

अम्मा का सार उनके दर्शन के माध्यम से अनुभव किया जाता है—एक हार्दिक, मातृत्व से भरा आलिंगन, जिसे अम्मा ने अपना पूरा जीवन सभी को अर्पित करने के लिए समर्पित कर दिया है। अम्मा की बाहों में मन शांति का अनुभव करता है और हृदय परमात्मा के प्रकाश से सराबोर हो उठता है। यह एक अलौकिक क्षण होता है, जिसमें बच्चा माँ के साथ, शिष्य गुरु के साथ और भक्त ईश्वर के साथ एकत्व का अनुभव करता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो जीवन की दिशा को बदलने, बाधाओं को दूर करने, व्यक्ति को ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ स्वयं से जोड़ने तथा आध्यात्मिक साधना को दृढ़ बनाने में सक्षम है।

45 से अधिक वर्षों से अम्मा लगभग हर दिन इसी प्रकार अपना समय बिताती आई हैं। कई बार उन्होंने बिना किसी विराम के 22 घंटे तक दर्शन दिए हैं। सभी धर्मों, विश्वासों, राष्ट्रीयताओं और जातियों से, तथा जीवन के हर क्षेत्र से आए 4 करोड़ से अधिक लोगों ने उनकी बाहों में शरण पाई है। अम्मा की उपस्थिति में लोग अपने हृदय की बात कहते हैं, अपनी कठिनाइयाँ साझा करते हैं और मार्गदर्शन की तलाश करते हैं। अम्मा न केवल उन्हें व्यावहारिक समाधान प्रदान करती हैं, बल्कि इसी माध्यम से समाज के बीमार और निर्धन लोगों की गंभीर समस्याओं से भी अवगत होती हैं।

इन्हीं समस्याओं के प्रत्यक्ष अनुभव और उत्तर के रूप में माता अमृतानन्दमयी मठ (MAM) के सभी धर्मार्थ और मानवीय कार्यक्रमों का जन्म हुआ है। इसके अतिरिक्त, अम्मा के आलिंगन के माध्यम से उनकी करुणा का प्रत्यक्ष अनुभव करके और उन्हें पीड़ितों को सांत्वना देते हुए देखकर, अनेक लोग अपने जीवन को ज़रूरतमंदों की सेवा के लिए समर्पित करने के लिए प्रेरित होते हैं। इस प्रकार, “अम्मा के आलिंगन” के माध्यम से आधुनिक दुनिया में आध्यात्मिकता और सेवा का एक सच्चा पुनर्जागरण हो रहा है।

हर साल पूरे भारत में 1 करोड़ बेघर और भूखे लोगों के लिए भोजन।

प्रेम के साथ दुनिया को भोजन कराना

अम्मा के मुख्य आश्रम और इसके शाखा केंद्रों के माध्यम से, मठ प्रतिवर्ष पूरे भारत में 1 करोड़ से अधिक लोगों को भोजन कराते हैं। मठ 30 से अधिक वर्षों से इस तरह भूख के खिलाफ लड़ रहे हैं। 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद पहले छह महीनों में, मठ ने आपदा पीड़ितों को 60 लाख से अधिक मुफ्त भोजन के साथ-साथ 185 टन से अधिक कच्चा चावल उपलब्ध कराया ताकि वे अपना गुजारा कर सकें।

मठ नियमित रूप से दूरदराज के आदिवासी समुदायों को चावल, दूध और अन्य कच्चे खाद्य पदार्थ भी वितरित करते हैं जिन्हें किसी अन्य संगठन से सहायता नहीं मिलती है। इस तरह स्वयंसेवक लोगों और उनकी समस्याओं को भी जान पाते हैं। जिन्हें और सहायता की आवश्यकता होती है, उन्हें वित्तीय सहायता, चिकित्सा देखभाल, आवास, ट्यूशन और बहुत कुछ के साथ मदद की जाती है।

जीवामृतम

पेयजल परियोजना:

अक्टूबर 2017 में, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने पूरे भारत के 5,000 गाँवों में 1 करोड़ लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए ₹100 करोड़ की पहल का उद्घाटन किया।

amrit.am/food

भेंट के रूप में भोजन और पानी।

फरीदाबाद, हरियाणा में प्रवासी मजदूरों के बच्चों को भोजन वितरण।

फ्रांस के 10 शहरों में बेघर लोगों को सामाजिक सेवाओं से जोड़ना।

नैरोबी, केन्या में अमृता चिल्ड्रेन स्कूल 150 बच्चों को शिक्षा और दिन में तीन बार पौष्टिक भोजन प्रदान करता है। हर दूसरे रविवार को, पड़ोसी गाँवों के 250 से अधिक बच्चों को स्वस्थ दोपहर का भोजन परोसा जाता है।

एशिया, अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में भूखों को भोजन कराना।

बिहार के एक सुदूर गाँव में मुसहर समुदाय तक पहुँच।

आवास

पूरे भारत में 80 से अधिक स्थानों पर 48,000+ घर।

हर किसी के लिए देखभाल की छत बनाना

खराब आश्रय, प्रदूषित पानी और अपर्याप्त स्वच्छता के परिणामस्वरूप, हर दिन 50,000 लोग—जिनमें ज़्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं—मर जाते हैं। यह समस्या विकासशील देशों में बहुत अधिक है।

मठ अधिक से अधिक लोगों को छत दिलाने में मदद करने के लिए अपनी भूमिका निभा रहे हैं। 1997 में, उन महिलाओं की मदद की पुकार का जवाब देते हुए, जिन्होंने अपनी फूस की झोपड़ियों से बारिश का पानी निकालते हुए पूरी रातें बिताई थीं, अम्मा ने घर बनाने की परियोजना शुरू की। आज, पूरे भारत में 80 स्थानों पर 48,000 से अधिक घरों का निर्माण किया जा चुका है। घरों से बढ़कर, मठ टाउन हॉल, सड़कों, बिजली, कुओं, सीवेज सिस्टम और सुरक्षित पेयजल के साथ पूरे समुदायों के निर्माण के लिए काम करते हैं। 2004 की हिंद महासागर सुनामी के जवाब में, मठ ने श्रीलंका और अंडमान द्वीप समूह में भी नए घर प्रदान किए।

स्थानों के अनुसार आवास परियोजनाएं

केरल
अलाप्पुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की, कन्नूर, कासरगोड, कोल्लम, कोट्टायम, कोझिकोड, मलप्पुरम, पलक्कड़, पठानमथिट्टा, त्रिशूर, त्रिवेंद्रम, कोडुंगल्लूर और वायनाड के जिलों में फैले 20,000 से अधिक घर। त्रिवेंद्रम और कोच्चि में विलेज कॉलोनियां।

तमिलनाडु
रामेश्वरम, पनागुडी, आमिरपलयम, शिवकाशी, अरुप्पुक्कोट्टई, कोल्लनकोडे, कन्याकुमारी, एट्टिमदै, अंबातुर, कोवलम, कुंभकोणम और कुड्डालोर, कन्याकुमारी एवं नागपट्टिनम जिलों के गाँव।

कर्नाटक
हिरीसावे (हसन), मुल्की (मैंगलोर), होसहल्ली (मांड्या), मैसूर जिले के विभिन्न गाँव, रायचूर जिले के गाँव।

आंध्र प्रदेश
हैदराबाद (गुडिमल्कापुर, फिल्म नगर), कडापा (अमृता नगर)।

पुडुचेरी
कराईकल, पुडुचेरी तालुक।

पश्चिम बंगाल
दुर्गापुर (बिधान नगर), कोलकाता (पनिहाटी)।

राजस्थान
सांगानेर, जयपुर।

उत्तर प्रदेश
लखनऊ (तेलीबाग), मिर्जापुर (कोरांव), गाजियाबाद (प्रताप नगर)।

मध्य प्रदेश
भोपाल (पिपलानी)।

गुजरात
भुज, कच्छ (डागरा, मोखाना)।

महाराष्ट्र
पुणे (अजंता नगर)।

उत्तराखंड
रुद्रप्रयाग (बटवाड़ी सोनार और चंद्रपुरी)।

ओडिशा
बालेश्वर, भुवनेश्वर।

अंडमान द्वीप
बंबू फ्लैट और ऑस्टिनाबाद (दक्षिण अंडमान)।

श्रीलंका
कालुतरा जिला और अम्पारा जिला।

amrit.am/shelter

- केरल में 400 बच्चों तक के लिए अनाथालय और नैरोबी, केन्या में 150 से अधिक बच्चों के लिए देखभाल केंद्र।
- तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में बुजुर्गों के लिए चार देखभाल गृह।
- पूरे भारत के गाँवों में उचित घर, सामुदायिक केंद्र और स्ट्रीटलाइट प्रदान करने के लिए काम करना।

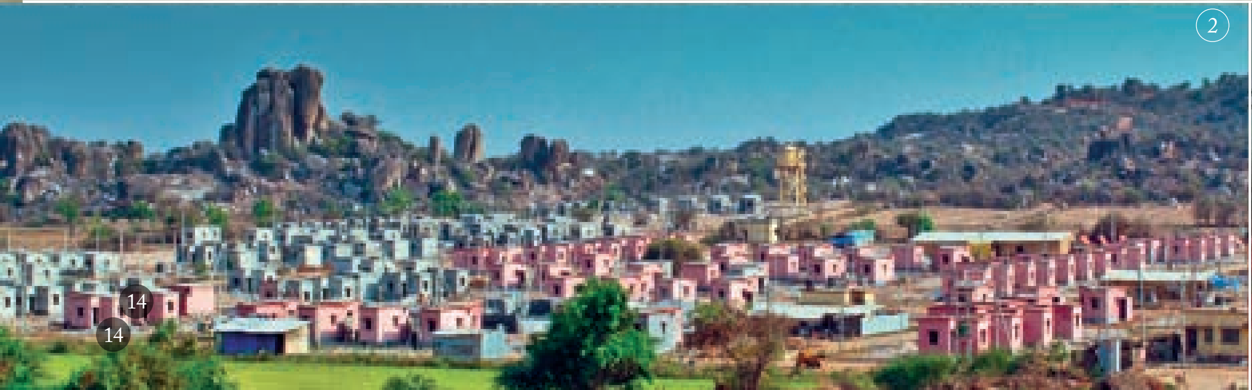

14

मठ ने 1,600 परिवारों को बदहाल झुग्गियों से साफ-सुथरे, नए अपार्टमेंट ब्लॉकों में सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया है, ताकि वे उचित नलसाजी, पानी और बिजली के साथ स्वच्छ स्थानों में अपना जीवन नए सिरे से शुरू कर सकें।

1) सुनामी शरणार्थियों के लिए नए घर, अलाप्पुझा, केरल। 2) रायचूर हाउसिंग कॉलोनी, कर्नाटक। 3) कराईकल, पुडुचेरी। 4) पुणे, महाराष्ट्र: मठ ने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के लिए ये अपार्टमेंट बनाए। 5) सुनामी शरणार्थियों के लिए घर, एर्नाकुलम। 6) नागपट्टिनम, तमिलनाडु में घर। 7) श्रीलंका के हाउसिंग ब्लॉक्स।

1998 से 64.5 लाख से अधिक लोगों को ₹860 करोड़ मूल्य की मुफ्त स्वास्थ्य सेवा।

एक ऐसा हाथ बढ़ाना जो वास्तव में परवाह करता है

1998 में अमृता अस्पताल, कोच्चि के खुलने के बाद से, मठ ने ₹860 करोड़ से अधिक की धर्मार्थ चिकित्सा सेवा प्रदान की है, जिससे दिसंबर 2022 तक 64.5 लाख मरीज लाभान्वित हुए हैं। मठ उच्च गुणवत्ता वाली और करुणामय उपचार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो जाति, धर्म या आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी के लिए सुलभ हो। दक्षिण एशिया के प्रमुख अस्पतालों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त, मठ ने कुल मिलाकर 1.96 करोड़ से अधिक मरीजों का इलाज किया है और दुनिया भर से योग्य चिकित्सा पेशेवरों की एक समर्पित टीम को आकर्षित किया है। 1,350 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में 12 सुपर-स्पेशियलिटी और 45 स्पेशियलिटी विभाग हैं।

आशा के साथ उपचार

उस गाँव के क्लिनिक में जहाँ अम्मा पली-बढ़ीं, उन्होंने लोगों को पीड़ित देखा क्योंकि वे बुनियादी चीज़ें भी नहीं खरीद सकते थे। इस गंभीर दर्द को देखकर, गरीबों के लिए चिकित्सा सेवा प्रदान करना उनका सपना बन गया।

देखभाल की नींव
छह अमृता कृपा चैरिटेबल अस्पताल सुदूर गाँवों और आदिवासी क्षेत्रों तक पहुँचते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों की यात्रा
कोच्चि और फरीदाबाद के अमृता अस्पतालों की चिकित्सा टीमें मुफ्त स्वास्थ्य शिविर आयोजित करती हैं।

पहियों पर उन्नत चिकित्सा सेवा - हमारी मोबाइल स्वास्थ्य बसें उन क्षेत्रों में परिष्कृत चिकित्सा सेवा लाती हैं जहाँ कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं है। शहर की बस के आकार की, ये बसें मिनी-ऑपरेशन थिएटर सहित उन्नत सुविधाओं से लैस हैं।

जब आपदा आती है

केरल से लेकर उत्तराखंड तक, हमारी चिकित्सा टीमों को बाढ़, भूकंप, भूस्खलन, चक्रवात और सुनामी के बाद आपातकालीन उपचार के लिए भेजा गया है।

ग्रामीण स्वास्थ्य के लिए स्थानीय महिलाएं

मठ ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय महिलाओं को बुनियादी देखभाल में प्रशिक्षित किया है। उन्हें समुदाय में भरोसा मिलता है और वे गर्भवती माताओं और किशोरियों से बेहतर जुड़ सकती हैं।

प्राचीन पद्धतियों का पुनरुद्धार

कोल्लम में अमृता आयुर्वेद अस्पताल एक शिक्षण अस्पताल है जो आधुनिक नैदानिक विज्ञान के साथ प्राचीन चिकित्सा ज्ञान का मेल करता है।

ACCREDITATIONS

NABL
ISO / IEC 17025
Accredited

First University teaching hospital in the country becoming NABH, NABL, ISO 9000: 2015 and NAAC A++

अमृता अस्पताल की हैंड-ट्रांसप्लांट टीम ने दक्षिण एशिया की सर्वश्रेष्ठ सर्जिकल टीम की श्रेणी में प्रतिष्ठित ब्रिटिश मेडिकल जर्नल अवार्ड जीता।

अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस को रोगी सुरक्षा और चिकित्सा नवाचार के लिए FICCI से हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड मिला।

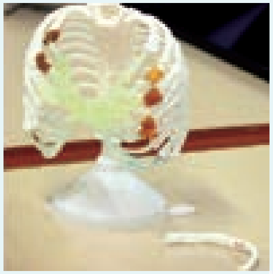

भारत में पहली बार, अमृता के सर्जनों ने 3D प्रिंटिंग का उपयोग करके एक शिशु की छाती की हड्डी (ब्रेस्टबोन) का पुनर्निर्माण किया।

अमृता अस्पताल, कोच्चि ने भारत का पहला डबल हैंड ट्रांसप्लांट किया।

एशिया का पहला उपरी भुजा दोहरी हाथ प्रत्यारोपण कोच्चि के अमृता हॉस्पिटल में किया गया था।

अमृता अस्पताल, फरीदाबाद, दिल्ली-NCR
2,600 बिस्तरों के साथ, यह भारत का सबसे बड़ा निजी अस्पताल है।

amrit.am/healthcare

उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा को सभी के लिए सुलभ बनाने का अम्मा का करुणामय दृष्टिकोण उत्तर भारत तक तब पहुँचा, जब अगस्त 2022 में अमृता अस्पताल, फरीदाबाद के द्वार खुले। प्रेम पर आधारित और विज्ञान द्वारा निर्देशित, हमारे डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों की टीमें प्रत्येक रोगी के शारीरिक और मानसिक कल्याण के लिए समर्पित हैं।

भारत के सबसे बड़े मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में, हम उन्नत रोबोटिक सर्जरी से लेकर बाल चिकित्सा के नए क्षेत्रों और व्यापक कैंसर देखभाल तक, कई विशिष्ट और सुपर-स्पेशियलिटी केंद्रों के माध्यम से नवीनतम तकनीक प्रदान करते हैं। चूँकि मठ एक गैर-लाभकारी (non-profit) संस्थान हैं, इसलिए यहाँ का हर रुपया अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचता है।

हम एक शिक्षण अस्पताल (teaching hospital) भी हैं, जहाँ नवीन स्वास्थ्य समाधान और बेहतर उपचार पद्धतियां विकसित करने के लिए अनुसंधान पर गहरा ध्यान दिया जाता है, जो राष्ट्र के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में मूल्य जोड़ता है।

2,600 बिस्तर

81 स्पेशलिटीज़

64 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर

534 क्रिटिकल-केयर बेड के साथ स्मार्ट ICU

300 बिस्तरों वाला सुपर-स्पेशियलिटी पीडियाट्रिक अस्पताल

उच्च-सटीक रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के लिए 10 बंकर

फरीदाबाद के अमृता अस्पताल का उद्घाटन करते हुए, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आधुनिकता और आध्यात्मिकता का यह संगम इसे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की सेवा के लिए स्वास्थ्य सेवा का एक सुलभ और प्रभावी माध्यम बनाएगा।

अस्पताल विशेष रूप से 'मातृ एवं शिशु देखभाल' पर ध्यान केंद्रित करता है, जो कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक बड़ा अभाव रहा है।

फरवरी 2026 में, अस्पताल के प्रशासनिक निदेशक स्वामी निजमृतानंद पुरी ने उत्तर भारत के पहले 'एलिवेटेड हॉस्पिटल हेलीपैड' के साथ एक नया मील का पत्थर स्थापित किया।

भारत के पहले और दुनिया के दूसरे किडनी-ट्रांसप्लांट प्राप्तकर्ता, जिनका हैंड-ट्रांसप्लांट भी हुआ है। गौतम तयाल की यह जटिल 17 घंटे की सर्जरी सफल रही।

चिकित्सा टीमें सुदूर गाँवों की यात्रा करती हैं ताकि उन लोगों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा सकें जिनकी स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सीमित है।

जब सब कुछ बिखर जाता है, तब मदद का हाथ बढ़ाना

आपदा पीड़ितों के प्रति अम्मा की करुणा और चिंता इतनी पूर्ण है कि वह उनकी स्थिति के हर पहलू पर ध्यान देती हैं—न केवल उनकी भौतिक और भावनात्मक ज़रूरतों को पूरा करती हैं, बल्कि उनके भविष्य पर भी नज़र रखती हैं।

2001 से, मठ ने तत्काल राहत और दीर्घकालिक सुधार कार्यों के लिए ₹713 करोड़ समर्पित किए हैं। हमारे सहयोग ने लाखों लोगों को उनके जीवन के सबसे अंधकारमय दौर से बाहर निकाला है और उन्हें लचीले, टिकाऊ और न्यायसंगत समुदायों के प्रकाश की ओर अग्रसर किया है।

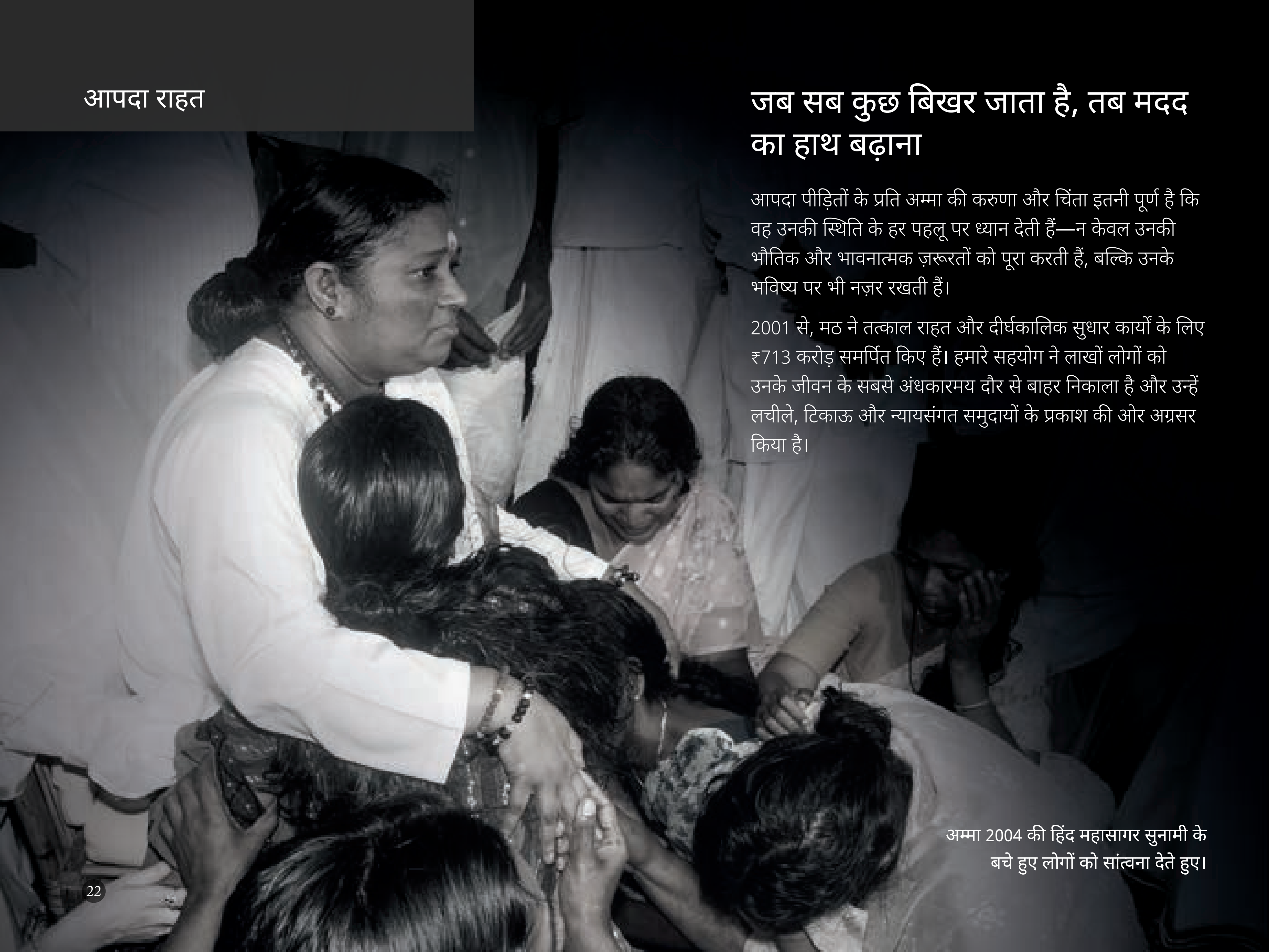

अम्मा 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बचे हुए लोगों को सांत्वना देते हुए।

मुख्य आपदा प्रतिक्रिया पहल

2024 वायनाड भूस्खलन - आपातकालीन चिकित्सा देखभाल, जीवित बचे लोगों की खोज, राहत शिविर; सामुदायिक पुनर्निर्माण और भूस्खलन पूर्व-चेतावनी प्रणाली स्थापित करने के लिए ₹15 करोड़।

2024 तमिलनाडु बाढ़ - थूथुकुडी जिले के 12 गाँवों में 8,800 परिवारों के लिए बुनियादी ज़रूरतें।

2022 यूक्रेन-रूस युद्ध - शरणार्थियों की सहायता के लिए पोलैंड और हंगरी की सीमाओं पर स्वयंसेवक; पूरे यूरोप में आश्रय की व्यवस्था।

2020-2022 COVID-19 महामारी - स्वास्थ्य सेवा, टीकाकरण, वित्तीय सहायता और बुनियादी ज़रूरतों की आपूर्ति, जिसमें हमारे महिला स्वयं सहायता समूहों को ₹85 करोड़ की सहायता शामिल है।

2019 केरल मानसून - ₹1.2 करोड़ (भारी मानसून में सदस्य खोने वाले 121 परिवारों को ₹1-1 लाख)।

2019 पुलवामा आतंकी हमला - शहीद CRPF जवानों के 40 परिवारों को ₹2 करोड़।

2018 केरल बाढ़ - केरल सरकारी कोष में ₹10 करोड़ की सहायता; पूरे केरल में राहत शिविर; 24 घंटे आपातकालीन हेल्पलाइन।

2017 ओखी चक्रवात - केरल सरकारी कोष में ₹2 करोड़ की सहायता; राहत शिविर।

2016 पुट्टिंगल मंदिर अग्निकांड (केरल) - पीड़ितों और उनके परिवारों को ₹1 करोड़; अमृता अस्पताल में मुफ्त इलाज।

2015 चेन्नई बाढ़ - तमिलनाडु सरकार को ₹5 करोड़, साथ ही बचाव कार्य, दवा और भोजन।

2015 नेपाल भूकंप - भोजन, कंबल, आश्रय और 2 टन दवाइयां।

2014 जम्मू और कश्मीर बाढ़ - ₹30 करोड़ की राहत, जिसमें आपातकालीन चिकित्सा शिविर और दीर्घकालिक आवास निर्माण शामिल है।

2013 टाइफून योलान्डा, फिलीपींस - भोजन और आश्रय के लिए तत्काल प्रतिक्रिया; अनाथों के लिए $10 लाख की छात्रवृत्ति।

2013 उत्तराखंड बाढ़ - ₹50 करोड़ की सहायता, विशेष रूप से आवास निर्माण और सामुदायिक पुनर्निर्माण के लिए।

2011 जापान भूकंप/सुनामी - भोजन और आश्रय के लिए तत्काल प्रतिक्रिया; अनाथों के लिए $10 लाख की छात्रवृत्ति।

2010 हैती भूकंप - चिकित्सा आपूर्ति, आश्रय सामग्री, छात्रवृत्ति।

2009 कर्नाटक और आंध्र प्रदेश बाढ़ - ₹100 करोड़ की तत्काल राहत, चिकित्सा देखभाल और विस्थापितों के लिए 1,000 घर।

2009 चक्रवात ऐला, पश्चिम बंगाल - चिकित्सा देखभाल, भोजन और आपूर्ति।

2008 बिहार बाढ़ - चिकित्सा सहायता, भोजन, आपूर्ति और आश्रय में ₹5 करोड़।

2006 गुजरात बाढ़ - तत्काल चिकित्सा सहायता; भोजन और आपूर्ति।

2005 मुंबई बाढ़ - चिकित्सा सहायता, भोजन, आपूर्ति और आश्रय में ₹5 करोड़।

2005 तूफान कैटरीना, अमेरिका - बुश-क्लिंटन कैटरीना फंड को $10 लाख।

2005 कश्मीर भूकंप - भोजन, कंबल, आश्रय और 3 टन दवाइयां।

2004 हिंद महासागर सुनामी - ₹200 करोड़ की तत्काल राहत और दीर्घकालिक पुनर्वास, जिसमें 6,200 सुनामी-प्रतिरोधी घर, 700 नई मछली पकड़ने वाली नावें, एक निकासी पुल और 2,500 बचे लोगों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण शामिल है।

2001 गुजरात भूकंप - भुज में तत्काल चिकित्सा प्रतिक्रिया; 1,200 घरों के साथ तीन गाँवों का पुनर्निर्माण।

amrit.am/disaster-relief

2004 की हिंद महासागर सुनामी

एक असीमित आपदा, जिसका सामना असीम करुणा से हुआ

हिंद महासागर की सुनामी ने 14 देशों के इस क्षेत्र में 2,27,000 से अधिक लोगों की जान ले ली। यह दर्ज इतिहास की सबसे घातक प्राकृतिक आपदाओं में से एक थी।

अम्मा के नेतृत्व में, माता अमृतानन्दमयी मठ की तत्काल प्रतिक्रिया और दीर्घकालिक सुधार कार्य किसी भी गैर-सरकारी संगठन द्वारा अब तक शुरू की गई सबसे बहुआयामी, व्यापक और निरंतर चलने वाली आपदा राहत परियोजनाओं में से एक है।

जो बात हमारे कार्य को अद्वितीय बनाती थी, वह थी इसकी समग्र प्रकृति—सुनामी पीड़ितों के जीवन के हर पहलू पर विचार किया गया और उसमें सुधार किया गया।

2006 के अंत तक, हमारे प्रयास ₹200 करोड़ तक पहुँच गए थे, साथ ही अनगिनत स्वयंसेवी घंटों का योगदान भी था। सहायता प्राप्त करने वाले कई लोगों ने कहा कि जीवन की गुणवत्ता और आर्थिक स्वतंत्रता के मामले में, वे इस त्रासदी के बाद पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में थे।

तत्काल पश्चात जीवित बचे लोगों का कायाकल्प

जैसे ही लहरें अमृतपुरी स्थित हमारे मुख्यालय की ओर बढ़ीं, बचाव और राहत अभियान तुरंत शुरू हो गए। अम्मा के करुणामय और व्यावहारिक नेतृत्व के माध्यम से, मठ ने निकासी, चिकित्सा देखभाल, भोजन और आश्रय के साथ जीवित बचे लोगों की सहायता की। मठ ने उन लोगों को मनोवैज्ञानिक सहायता भी प्रदान की जिन्होंने अपने घर और प्रियजनों को खो दिया था। महीनों के दौरान, हमारी टीमों ने केरल और तमिलनाडु में 30,000 से अधिक लोगों को सहायता प्रदान की।

सामुदायिक लचीलेपन के साथ जीवन का पुनर्निर्माण

आपदा के तुरंत बाद, हमारा कार्य दीर्घकालिक सुधार में बदल गया जो वर्षों तक चला। इन पहलों में दक्षिण भारत और श्रीलंका में जीवित बचे लोगों के लिए 6,200 से अधिक घरों का निर्माण; तैराकी के पाठों सहित 10,000 बच्चों के लिए रचनात्मक चिकित्सा सत्र; 4,900 परिवारों को आय प्रदान करने के लिए 700 नई मछली पकड़ने वाली नावें; 2,500 युवाओं को शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण; और महिलाओं के लिए स्वयं सहायता समूहों की शुरुआत शामिल थी।

COVID-19 महामारी

2020 में, COVID-19 ने एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में अपना निरंतर प्रभाव डालना शुरू किया—एक ऐसा संकट जिसने लोगों की जान ली और समाजों की जड़ों पर प्रहार किया। हमारा ध्यान उन लोगों तक पहुँचने पर केंद्रित था जिन्हें मदद की सख्त ज़रूरत थी। मठ ने चिकित्सा उपचार और टीकाकरण से लेकर बुनियादी ज़रूरतों, वित्तीय सहायता और मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करने तक कई पहलुओं पर काम किया।

भारत में, मठ ने सरकारों को दान के साथ शुरुआत की—भारत सरकार के 'पीएम केयर्स फंड' में ₹10 करोड़ और केरल के मुख्यमंत्री संकट राहत कोष में ₹3 करोड़ का योगदान दिया।

आर्थिक प्रभाव को कम करने के लिए, अम्मा ने विशेष रूप से हमारे 'अमृतश्री' (AmritaSREE) महिला स्वयं सहायता समूहों की 2,00,000 महिलाओं तक पहुँच बनाई। इसमें बुनियादी आपूर्ति किट और वित्तीय सहायता शामिल थी, जो कुल मिलाकर ₹85 करोड़ से अधिक की सहायता थी।

मठ ने भारत के गाँवों और सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों, चिकित्सा उपचार और टीकाकरण के बारे में जानकारी देने के लिए अपना संपर्क मज़बूत किया। ग्रामीण भारत में हमारे 'अमृता राइट' (Amrita RITE) ट्यूशन केंद्रों के माध्यम से, मठ ने स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर बच्चों को शिक्षित करना जारी रखा, जबकि स्कूल बंद थे।

40 से अधिक देशों में, हमारे स्थानीय स्वयंसेवकों ने बुनियादी ज़रूरतों और भावनात्मक सहयोग के माध्यम से जमीनी स्तर पर अपने समुदायों की मदद की। उन्होंने विशेष रूप से गरीबों, अलग-थलग पड़े लोगों, बुजुर्गों और विकलांगों से संपर्क किया। मठ ने प्रकृति माता के प्रति विनम्रता और सेवा भाव व्यक्त करने के लिए वृक्षारोपण अभियान भी चलाए, और मानव जाति द्वारा उन पर किए गए सभी कष्टों के लिए क्षमा मांगी।

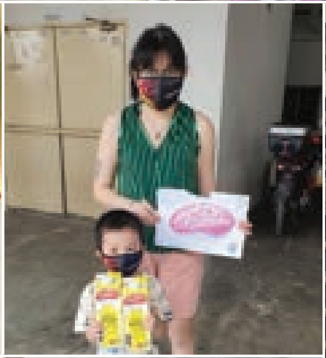

1

2

3

3

4

5

6

7

पिछले कुछ वर्षों में हमारे राहत और सुधार प्रयासों के कुछ और महत्वपूर्ण पल

1. **2025 - तमिलनाडु में बाढ़ -** स्वामी रामकृष्णानंद पुरी ने 12 गाँवों के 8,800 परिवारों को सहायता किटों के वितरण का नेतृत्व किया, जिससे उनके उबरने में मदद मिली।
2. **2022 - यूक्रेन में युद्ध -** स्वयंसेवक हजारों शरणार्थियों की सहायता के लिए पोलैंड और हंगरी के सीमा द्वारों पर गए।
3. **2018 - केरल में बाढ़ -** आपातकालीन चिकित्सा शिविरों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों का इलाज किया। यहाँ, एक स्वयंसेवक बचाव दल नाव के माध्यम से ग्रामीणों तक पहुँच रहा है।
4. **2011 - जापान में भूकंप और सुनामी -** टोक्यो के एक राहत शिविर में अम्मा एक महिला को सांत्वना देती हुई। मठ ने तत्काल भोजन और पानी उपलब्ध कराया और फिर अनाथ बच्चों के लिए $10 लाख की छात्रवृत्ति दी।
5. **2013 - फिलीपींस में टाइफून -** तत्काल राहत और अनाथों के लिए $10 लाख की छात्रवृत्ति। यहाँ, 480 बच्चे हाई स्कूल स्नातक होने का जश्न मना रहे हैं।
6. **2010 - हैती में भूकं प -** स्वयंसेवकों ने चिकित्सा सहायता, बुनियादी आपूर्ति और आश्रय निर्माण के लिए अमेरिका से यात्रा की। मठ ने 30 अनाथ बच्चों को छात्रवृत्ति भी दी।

जोखिम वाले समुदायों के बच्चों के लिए 55,000 छात्रवृत्तियां।

शिक्षा के माध्यम से जीवन को रोशन करना

विकासशील देशों में स्कूल जाना शायद ही कभी पूरी तरह से मुफ्त होता है। छात्रों को अपने परिवहन का खर्च उठाना पड़ता है और यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक और पेंसिल खरीदनी पड़ती है। जो बच्चे इन बुनियादी खर्चों को वहन नहीं कर सकते, वे स्कूल नहीं जा पाते। जैसे-जैसे परिवार गरीबी रेखा से ऊपर रहने के लिए संघर्ष करते हैं, स्कूल का अतिरिक्त खर्च एक असंभव निवेश बन जाता है।

छात्रवृत्ति - बच्चों को स्कूल में रखकर किसानों की आत्महत्या के खिलाफ संघर्ष 2007 में, कर्ज और फसल की बर्बादी के कारण भारत में किसानों के बीच आत्महत्या की दर व्यापक रूप से फैल गई थी। इसके जवाब में, अम्मा ने गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले किसानों के बच्चों के लिए एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम शुरू किया। आज, 55,000 से अधिक बच्चों को सहायता प्राप्त हुई है।

लिखने का अधिकार- मठ वयस्कों को, विशेष रूप से महिलाओं को पढ़ना और लिखना भी सिखा रहे हैं। भले ही उनका दिन दिहाड़ी मजदूर, खेती और घरेलू कामों से भरा होता है, फिर भी छात्र साक्षरता की शक्ति प्राप्त करने के लिए उत्साहित हैं। उनकी पहली उपलब्धियों में से एक अपना नाम लिखना सीखना है, जो अंततः वित्तीय स्वतंत्रता और अधिक आत्मविश्वास की ओर ले जाता है।

पढ़ाने के लिए टैबलेट- निर्धन ग्रामीण क्षेत्रों में, स्कूल में उपस्थिति अक्सर कम होती है और पढ़ाई छोड़ने की दर अधिक होती है। 2013 में, मठ ने स्कूल के बाद का एक डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया, जो गाँवों और आदिवासी समुदायों में स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु टैबलेट का उपयोग करता है। तकनीक की ओर आकर्षित होकर, छात्र हमारे ट्यूशन केंद्रों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच प्राप्त करते हैं। मठ 22 राज्यों के 1,220 गाँवों के छात्रों तक पहुँचे हैं।

amrit.am/education

शिवकाशी, तमिलनाडु में हमारी परियोजना ने भारत में प्रौढ़ शिक्षा निधि के सबसे प्रभावी और कुशल प्रशासक होने के लिए युनेस्को (UNESCO) / एनएलएम (NLM) राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। (2008)

आदिवासी लोगों के लिए डिजिटल साक्षरता - डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत, मठ ने केरल के वायनाड, इडुक्की और पलक्कड़ जिलों में एक हजार से अधिक आदिवासी युवाओं और वयस्कों को डिजिटल साक्षरता में सफलतापूर्वक प्रशिक्षित और प्रमाणित किया है।

1 लाख से अधिक हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए नए कौशल - मठ महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अल्पसंख्यकों और अन्य हाशिए पर रहने वाले लोगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए गरीबों में भी सबसे गरीब लोगों के लिए मुफ्त कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। उनमें आत्मविश्वास और शक्ति का संचार करते हुए, मठ ने 2003 से ग्रामीण भारत में 72,004 लोगों और शहरी एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 29,304 लोगों तक पहुँच बनाई है। भारत सरकार द्वारा समर्थित, हमारे केंद्र इडुक्की (केरल), विरुधुनगर और चेन्नई (तमिलनाडु), अंगुल और कालाहांडी (ओडिशा), ईस्ट खासी हिल्स (मेघालय), विजयनगरम (आंध्र प्रदेश) और जोधपुर (राजस्थान) में चल रहे हैं।

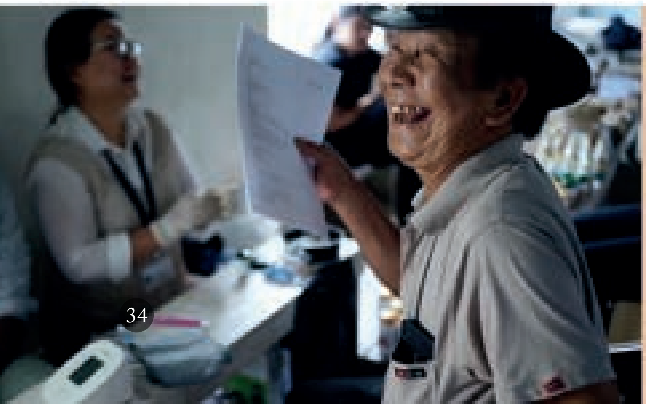

मिजोरम में अलग-थलग जनजातियों के लिए स्वतंत्रता - मठ मिजो जनजातियों के बीच लचीलापन बनाने में मदद कर रहे हैं, जो एक ऐसा राज्य है जहाँ कई लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। 15 स्थानीय नेताओं की एक टीम छह जनजातियों के 9,000 सदस्यों तक पहुँची है, जिनमें से 70% महिलाएं और लड़कियां हैं। कार्य में स्वास्थ्य शिविर, डिजिटल साक्षरता, भोजन और पोषण जागरूकता, और युवाओं के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता शामिल है। मठ उनकी पारंपरिक उपचार पद्धतियों का दस्तावेजीकरण भी कर रहे हैं, जो प्राचीन ज्ञान लुप्त होने की कगार पर है।

बच्चों में शक्ति और करुणा का संचार - 'अमृता विद्यालयम' प्री-किंडरगार्टन से कक्षा 12 तक का हमारा प्रगतिशील शिक्षा नेटवर्क है। आज, पूरे भारत में 86 स्कूल हैं जो छात्रों में मूल्यों और आत्म-सम्मान का पोषण करते हैं। अम्मा प्रत्येक बच्चे की रचनात्मकता, बुद्धिमत्ता और चरित्र विकसित करने पर बहुत महत्व देती हैं। यह मज़बूत आधार उन्हें प्रेम, सद्भाव, शांति, आपसी सम्मान और ज्ञान की दुनिया बनाने के लिए विभिन्न कार्य क्षेत्रों में साहसपूर्वक कदम रखने में मदद करता है।

विज्ञान की ऑनलाइन खोज - 'ओलैब्स' (OLabs) उन छात्रों को सीखने का अवसर देता है जिनकी भौतिक प्रयोगशालाओं (physical laboratories) तक पहुँच सीमित है या बिल्कुल नहीं है। ऑनलाइन वर्चुअल सिमुलेशन के माध्यम से, बच्चे विज्ञान, गणित और अंग्रेजी का अध्ययन कर रहे हैं। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझेदारी में, मठ 30,000 स्कूलों के 4.2 लाख छात्रों तक पहुँचे हैं और 28,000 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

प्राचीन कला का पुनर्जागरण - पारंपरिक भारतीय कला रूपों को पुनर्जीवित करने के मिशन के साथ भारत सरकार और अमृता विश्वविद्यालय के सहयोग से 'अमृता शिल्प कलाक्षेत्र' की स्थापना की गई थी। वजीफे के साथ पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करना प्रतिभा को आकर्षित करने के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है, और प्रशिक्षण उभरते कारीगरों को उनके काम की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है।

शिक्षा में सहायक प्रौद्योगिकियों पर यूनेस्को चेयर

amrit.am/unesco-ate

एक ऐसी दुनिया जहाँ हम सब एक-दूसरे से सीखते हैं

अम्मा ने हमेशा दिव्यांगजनों की देखभाल करने और उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली से बाहर होने से बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यह एक ऐसा दृष्टिकोण है जिसमें बच्चे न केवल ज्ञान सीखते हैं, बल्कि आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ जीना भी सीखते हैं।

अमृता विश्वविद्यालय में, शोधकर्ता AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), ऑडियो और वीडियो समाधानों पर आधारित नवीन सहायक तकनीकें विकसित कर रहे हैं। मठ ने ऐसे स्कूल भी स्थापित किए हैं जहाँ प्रत्येक छात्र को उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाता है।

अमृतपुरी में अम्मा के साथ दिव्यांग बच्चे

भारत सरकार के 'ओलैब्स' (OLabs) के माध्यम से भारतीय सांकेतिक भाषा के लिए मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम।

ई-गवर्नेंस सेवाओं के लिए सांकेतिक भाषा की सुलभता।

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए एक डिजिटल लर्निंग इकोसिस्टम।

डिस्लेक्सिया के लिए तकनीक-संवर्धित संज्ञानात्मक ट्यूटरिंग।

श्रवण-बाधित बच्चे बोलने की शक्ति प्राप्त कर रहे हैं - केरल के त्रिशूर में स्थित 'अमृता स्पीच एंड हियरिंग इम्प्रूवमेंट स्कूल', श्रवण-बाधित बच्चों को बोलना सिखाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करता है। सेकेंडरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा में इन बच्चों का परिणाम 100 प्रतिशत रहता है और वे रोजगार प्राप्त करने में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

दिव्यांग बच्चों में प्रतिभा की खोज - केरल में दो स्कूल डाउन सिंड्रोम, मिर्गी (epilepsy), ऑटिज्म और अन्य बौद्धिक दिव्यांगताओं वाले बच्चों के लिए समर्पित हैं। शिक्षक छात्रों में बुनियादी जीवन कौशल, शिक्षा और खुद को अभिव्यक्त करने की क्षमता का संचार करते हैं।

अमृता विश्व विद्यापीठम

जीने के लिए शिक्षा, जीवन के लिए शिक्षा

2003 में स्थापित, 'अमृता विश्व विद्यापीठम' अम्मा के मूल्यों पर आधारित शिक्षा और दुनिया के बढ़ते मानवीय संकटों के समाधान खोजने के लिए करुणा-प्रेरित अनुसंधान के दृष्टिकोण पर आधारित है। आज, अमृता एक बहु-विषयक, निजी विश्वविद्यालय है, जिसमें 30,000 से अधिक छात्रों का एक जीवंत समुदाय, 1,000 से अधिक पीएचडी फैकल्टी और पूरे भारत में दस परिसर (campuses) हैं।

चांसलर के रूप में, अम्मा कहती हैं कि शिक्षा दो प्रकार की होती है: जीने के लिए शिक्षा और जीवन के लिए शिक्षा। एक पेशेवर बनने के लिए अध्ययन करना 'जीने के लिए शिक्षा' है, जबकि 'जीवन के लिए शिक्षा' के लिए आवश्यक मानवीय मूल्यों की समझ की आवश्यकता होती है—हृदय की एक ऐसी संस्कृति जो साहस पर आधारित हो।

इसे ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय का दायरा विशाल है। यह इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान (चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फार्मेसी, नर्सिंग और आयुर्वेद), प्रबंधन, जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, कृषि विज्ञान, कला और मानविकी, और सामाजिक एवं व्यवहार विज्ञान सहित 30,000 से अधिक यूजी, पीजी और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है।

एक युवा विश्वविद्यालय होने के बावजूद, अमृता देश में उच्च शिक्षा के सबसे तेज़ी से बढ़ते संस्थानों में से एक है, जो पूर्व और पश्चिम के बीच एक सेतु के रूप में खड़े होने का दूरगामी संकल्प रखता है। मठ ने दुनिया भर में अग्रणी शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों, उद्योग भागीदारों और सरकारी निकायों के साथ 500 से अधिक सहयोग स्थापित किए हैं।

nirf GOVT. OF INDIA | 8TH RANKED UNIVERSITY IN INDIA 2025

NAAC A++ ACCREDITED

CATEGORY 1 GRADED AUTONOMY UGC, GOVT. OF INDIA

NO. 41 WORLDWIDE Times Higher Education Impact Rankings 2025

500+ COLLABORATIONS/MOUS WITH WORLD'S TOP UNIVERSITIES

कैंपस

amrita.edu

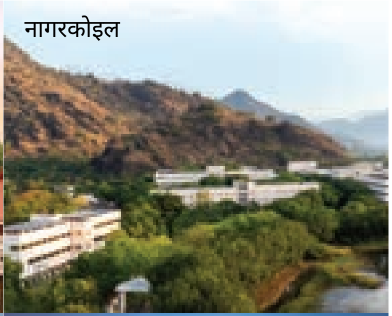

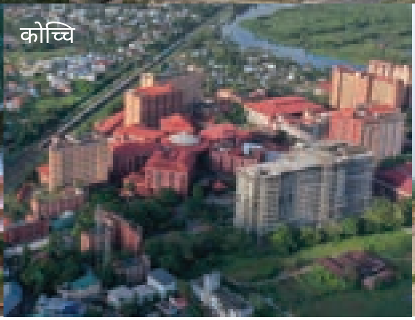

2.5 लाख महिलाओं को कमाने के कौशल के साथ सशक्त बनाया गया

बिना किसी अन्य सहायता वाले लोगों के लिए 1 लाख आजीवन पेंशन

एक का उत्थान सभी को सशक्त बनाता है

महिलाओं को बेहतर आजीविका कमाने में मदद करना सभी की मदद करता है—माताएं बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करती हैं, और अपने बच्चों पर अधिक खर्च करती हैं। औसतन, लड़कियां और महिलाएं अपनी अर्जित आय का 90% अपने परिवारों को समर्पित करती हैं। मठ 1989 से व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद, मठ ने विशेष रूप से महिलाओं को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करना शुरू किया। यह एक समझदारी भरा निवेश साबित हुआ, क्योंकि शोध से पता चला है कि महिलाओं को कौशल और आर्थिक अवसरों के साथ सशक्त बनाना पूरे समुदायों में गरीबी कम करने के सबसे प्रभावी साधनों में से एक है। आज, मठ शहरों और गाँवों में सभी लिंगों के लोगों तक पहुँच रहे हैं।

पारिस्थितिक संतुलन के माध्यम से आजीविका

तमिलनाडु के तट पर रामेश्वरम में, मठ महिलाओं के साथ समुद्री शैवाल (seaweed) की खेती करने और फिर उत्पादों का निर्माण एवं बिक्री करने के लिए काम कर रहे हैं—एक ऐसी आजीविका जो उस समुद्र की रक्षा करती है जो उन्हें सहारा देता है। समुद्री शैवाल का व्यवसाय विश्व स्तर पर तेज़ी से बढ़ रहा है, जो खाद्य सुरक्षा, टिकाऊ कृषि और जलवायु लचीलेपन में सहायता करता है। हालाँकि, गाँव की परंपरा के अनुसार, महिलाएँ समुद्र में प्रवेश नहीं करती थीं। अपने डर पर विजय पाते हुए, नौ गाँवों की महिला उद्यमी अब अपने परिवारों के लिए स्वतंत्र रूप से कमा रही हैं।

UNESCO
लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर
यूनेस्को चेयर

amrit.am/gewe

1 लाख विधवाओं, दिव्यांगों और गरीबी में जी रही महिलाओं के लिए आजीवन पेंशन - 1998 से, मठ ने विधवाओं और गरीबी में जी रही अन्य महिलाओं के लिए मासिक पेंशन प्रदान की है। 2006 में, इस परियोजना का विस्तार दिव्यांगजनों को लाभ पहुँचाने के लिए किया गया था।

ट्रांसजेंडर समुदाय को सशक्त बनाना - ट्रांसजेंडर समुदाय द्वारा सामना किए जाने वाले पुराने भेदभाव के कारण, मठ ने दिल्ली में सिलाई और ब्यूटीशियन कोर्स सहित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं, ताकि उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान में सहायता मिल सके।

अमृतश्री
आत्मनिर्भरता, शिक्षा और रोजगार

15,000+
स्वयं सहायता समूह

2.5 लाख+
सदस्य

शिक्षा और रोजगार के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण

2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद, मछलियों और अन्य समुद्री जीवों के प्रवास का पैटर्न पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया था। मछली पकड़ने वाले समुदाय ने अम्मा को इस बारे में बताया और बताया कि कैसे इससे उनकी आय को नुकसान हो रहा है। यह पहचानते हुए कि इन समुदायों के लिए आजीविका के वैकल्पिक रूपों की तत्काल आवश्यकता है, अम्मा ने आश्रम का पहला समुदाय-आधारित स्वयं सहायता समूह (Self-Help Groups) कार्यक्रम शुरू किया। इस पहल को 'अमृतश्री'—अमृता आत्मनिर्भरता, शिक्षा और रोजगार के रूप में जाना गया। आज यह भारत के 21 राज्यों में फैल चुका है, जिसमें केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में स्वयं सहायता समूहों की संख्या सबसे अधिक है।

वर्तमान में, 15,000 से अधिक अमृतश्री स्वयं सहायता समूह हैं जिनमें 2.5 लाख से अधिक महिलाएँ भाग ले रही हैं। मठ बेरोजगार और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को छोटे पैमाने पर कुटीर उद्योग व्यवसाय स्थापित करने के कौशल और साधनों से लैस करने के लिए काम कर रहे हैं। यह व्यावसायिक शिक्षा, स्टार्ट-अप पूंजी, विपणन सहायता और सरकार द्वारा विनियमित बैंकों से सूक्ष्म ऋण (microcredit) और सूक्ष्म बचत खातों तक पहुँच प्रदान करके किया जाता है।

अनुसंधान से पता चला है कि महिलाओं को समान आर्थिक अवसर के साथ सशक्त बनाना समग्र समाज के लिए गरीबी कम करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। अमृतश्री स्वयं सहायता समूह भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) द्वारा स्थापित एक फॉर्मूले पर आधारित हैं। मठ व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने से पहले प्रत्येक लक्षित समुदाय की विशेष आवश्यकताओं, मौजूदा कौशल और संसाधनों की पहचान करते हैं। पाठ्यक्रमों का चयन स्वयं महिलाओं द्वारा दिए गए प्रस्तावों से किया जाता है और प्रतिष्ठित व्यावसायिक संस्थानों में पेश किया जाता है।

अंत में, भौगोलिक निकटता के अनुसार स्वयं सहायता समूह बनाए जाते हैं, जिनमें से प्रत्येक में 10 से 20 महिलाएँ होती हैं। समूह की महिलाओं के परिवार के पुरुष सदस्य भी व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के पात्र हैं।

जबकि स्वयं सहायता समूह स्वायत्त रूप से संचालित होते हैं, माता अमृतानन्दमयी मठ सफल स्वतंत्रता की दिशा में उनका पोषण करता है। व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा, आश्रम प्रत्येक समूह को एक व्यावहारिक व्यावसायिक योजना बनाने में मदद करता है और समूह के खुदरा उत्पादों की पैकेजिंग और विपणन में सहायता करता है।

भारत के 21 राज्यों में अमृतश्री स्वयं सहायता समूह

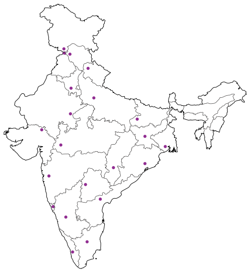

भारत के माननीय राष्ट्रपति, श्री राम नाथ कोविंद, अमृतश्री स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों को प्रशंसा पत्र वितरित करते हुए, जिन्होंने शौचालयों का निर्माण किया है और अपने गाँवों को खुले में शौच से मुक्त (ODF) बनाने की दिशा में कार्य किया है।

अम्मा अमृतश्री स्वयं सहायता समूहों को अनुदान के रूप में साड़ियाँ और बीज पूंजी वितरित करते हुए। बीज पूंजी का उपयोग या तो कार्यशील पूंजी के रूप में या प्रत्येक स्वयं सहायता समूह के कोष में वृद्धि के रूप में किया जा सकता है।

₹30 करोड़
वार्षिक बीज पूंजी

व्यावसायिक और कौशल प्रशिक्षण के लिए अब तक **₹12 करोड़** का वित्तपोषण

50,000+ सदस्यों के लिए कौशल प्रशिक्षण

अमृता सर्व

आत्मनिर्भर गाँवों की ओर एक यात्रा

“हमारे गाँव ही हमें जीवित रहने के लिए आवश्यक पोषण प्रदान करके शहरों में रहने वालों का सहारा बनते हैं। हालाँकि, आज हम केवल गाँवों का शोषण कर रहे हैं और उन्हें किनारे कर रहे हैं। अब यह स्वीकार करने का समय आ गया है कि हमारे गाँव ही हमारी असली नींव हैं और हमें उनकी रक्षा और सेवा के लिए एक हृदय और एक मन के साथ आगे बढ़ना चाहिए।”

— **अम्मा**

अम्मा ने 2013 में **अमृता सर्व (Amrita SeRVe)—आत्मनिर्भर गाँव** की शुरुआत की। उनका मिशन स्थायी विकास (sustainable development) के माध्यम से भारत भर के निर्धन गाँवों को सशक्त बनाना है। आज मठ 26 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में 2,800 से अधिक ग्रामीण समुदायों तक पहुँच चुके हैं।

हमारा दृष्टिकोण लोगों को उन कौशलों को सिखाना है जिनकी उन्हें समृद्ध और स्वतंत्र गाँवों में रहने के लिए आवश्यकता है। ये ऐसे स्थान हैं जहाँ लोग स्वस्थ और शिक्षित हों और जहाँ वे स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त वातावरण में गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत करें।

आवृत ग्राम-समूह

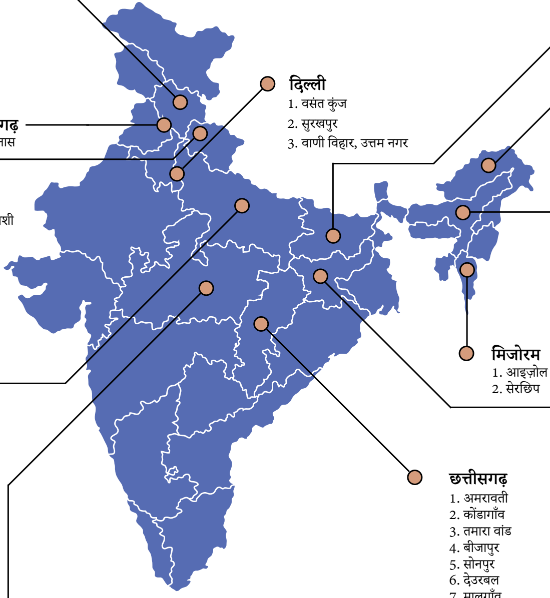

हिमाचल प्रदेश

1. धंतोल
2. ढुग (टप्पा)
3. घगवा
4. गुप्तकाशी
5. इंदपुर
6. झाकड़ी
7. कंडबाड़ी
8. लंबी पट्टियां
9. नगरोटा
10. पालमपुर
11. सखोह
12. शाहपुर
13. छितकुल
14. कल्पा
15. रक्षम
16. रिकांग पिओ
17. सांगला
18. ढालपुर
19. मोहाल
20. सुंदरनगर
21. समोली
22. 16 मील
23. दत्तनगर
24. रामपुर बुशहर
25. टूटू
26. बद्दी
27. बिशा
28. चैल
29. डगशाई
30. धर्मपुर
31. कंडाघाट
32. कान्हा
33. कोटी
34. नौणी

चंडीगढ़

1. धनास

उत्तराखंड

1. अगस्त्यमुनि
2. उदाल्का
3. गमशाली
4. गौचर
5. जोशीमठ
6. मलारी
7. माना
8. उदयपुर
9. अंबघ, टनकपुर
10. मातली
11. जगजीतपुर
12. खांडूसैंण
13. गुंजी
14. कुट्टी
15. मुनस्यारी
16. ढाकर
17. बड़ासू
18. बांसू
19. बटवाड़ी सुनार
20. भीरी
21. चंद्रपुरी
22. शिवमेला
23. डंगवारी
24. देवली बनीग्राम
25. देवशाल
26. गिरिया
27. गुप्तकाशी
28. खेड़र वैली
29. कोडुर
30. मकरीपाड़ा
31. मासिगुड़ा
32. नागजगई
33. पस्तिकुडी
34. पिरुमगुड़ा
35. सेरा
36. शुंडीमुंडा
37. टिटिझेटा
38. उखीमठ
39. भिनोली
40. डुंडा
41. डुंगी
42. खट्टूखाल
43. खुमेरा
44. महिदंडा
45. नाला
46. सिंगुनी
47. तुलंगा
48. उत्तरकाशी

उत्तर प्रदेश

1. अच्छेजा बुजुर्ग
2. अच्छेपुर
3. अहमदपुर
4. अट्टा फतेहपुर
5. अट्टा गुजरान
6. भट्टा
7. चौकी
8. दनकौर
9. डेरी गुर्जरान
10. डबली
11. डूंगरपुर
12. गुनपुरा
13. जेवर खादर
14. झझर
15. एम जादौन
16. मिर्जापुर
17. मुतैना
18. निलोनी
19. पचौकरा
20. पारसौल
21. आर एंड आर साइट जेवर बांगर
22. रौनीजा
23. रुस्तमपुर
24. सलारपुर
25. तीर्थली
26. ठसराना
27. उस्मानपुर
28. गाजियाबाद
29. नगला चांदी
30. वृंदावन
31. भेसरा
32. गैपुरा कलना
33. विंध्याचल
34. छिबैया
35. तिवारीपुर
36. दलापुर
37. हाजीपुर
38. कोंडानूर
39. मलखानपुर
40. रिठैया
41. सराय नूरुद्दीनपुर
42. पुदुर कॉलोनी
43. डॉ. खेड़ा

मध्य प्रदेश

1. अंबर
2. गोलम्बा
3. हवेलिकेडा
4. जलक्कड़ी
5. जूना काठीवाड़ी
6. कंडियूर
7. करारा ऊरु
8. कासट पानी
9. खरकाली
10. कोरवनकांडी ऊरु
11. मुलजीपुरा
12. परप्पनथरा ऊरु
13. पट्टिमलामूरु
14. अडागांव
15. आहुखाना
16. अंधारी
17. बड़ा बुजुर्ग
18. बड़गांव माफ़ी
19. बड़ी
20. बड़झिरी
21. बड़खेड़ा
22. बड़सिंगी
23. बहादरपुर
24. बखारी
25. बंभाड़ा
26. बरोली
27. बसाली
28. भावसा
29. भोटा
30. बोहरदा
31. बोरगांव खुर्द
32. बोरसर
33. चांदगढ़
34. चापोरा
35. चौंडी
36. चिड़ियापानी
37. चिलारा
38. चिंचला
39. दहीहांडी
40. दापोरा
41. दरियापुर कलां
42. दौलतपुरा
43. देवहारी
44. धामनगांव
45. डोंगरगांव
46. ईमागिर्द
47. फतेहपुर
48. फोपनार कलां
49. फोपनार खुर्द
50. गढ़ी
51. गढ़ताल
52. गवहाना
53. गोधन खेड़ा
54. गोल खेड़ा
55. हमीदपुरा
56. हतनूर
57. इच्छापुर
58. जफरपुरा
59. जैनाबाद
60. जयसिंहपुरा
61. जम्बूपानी
62. जामठी
63. जसोंदी
64. झिरी
65. कलमटी
66. करोली
67. खड़कोद
68. खमाला
69. खामनी
70. खापर खेड़ा
71. लालबाग माल
72. लालबाग रिट
73. लोणी
74. मचलपुरा
75. मालवीर
76. मंगरुल
77. मेठा
78. मोहद
79. मोहम्मदपुरा
80. मोरदाद कलां
81. मोरदाद खुर्द
82. मोरझिरा
83. मोरखेड़ा कलां
84. मोरखेड़ा खुर्द
85. नाचन खेड़ा
86. नागुलखेड़ा
87. नेर
88. निंबोला
89. नीमगांव
90. पटोंडा
91. पीपलगांव रिट
92. पिपली रिट
93. रहीपुरा
94. रायगांव
95. रायसेना
96. रसूलपुरा
97. रेहटा
98. संग्रामपुर
99. सेलगांव
100. शाहदरा
101. सिरसोदा
102. सोलाबर्डी
103. सुखपुरी
104. सुल्तानपुरा
105. तारापट्टी
106. ठाठर
107. टिटगांव खुर्द
108. तुरक गुराड़ा
109. विरोदा
110. आंतरी
111. टिहोली ग्राम
112. मोरार
113. पनिहार
114. भिचोली मर्दाना
115. राऊ
116. गौरैयाघाट
117. जामताड़ा
118. अमझिरिया
119. अमानार
120. अमडीह
121. अमझोर
122. अंतोली
123. अटरिया
124. औंटा
125. बचहा
126. बड़काडोल
127. बाघाडोल
128. बहेराहा
129. बैरिहा
130. बलोदी ईस्ट
131. बलोदी वेस्ट
132. बंचाचर
133. बांसा
134. बांसुकली
135. बराछ
136. बरही कछार
137. बरकच्छ
138. बरना
139. बरतुआ
140. बसही
141. बसनगरी
142. बसोहरा
143. बटौड़ी
144. बेलहा
145. भैंसाहा
146. भंगजीर
147. भर्री
148. भटगवां कलां
149. भटगवां खुर्द
150. भट्टू
151. भुरका
152. बिदोर
153. बिजाहा
154. बिजाहा टोला
155. बिनेका
156. बुधसर
157. चंदौरा
158. चंदेला
159. चरहेत
160. चरकीडोल
161. चरकवाह
162. छकटा
163. छपरा टोला
164. छतेनी
165. छुड़ा
166. छुईहाई टोला
167. चितराव
168. दादर
169. दरैन
170. दरौदी
171. दतारी
172. दवादहिया
173. देवलिहान टोला
174. देवरा
175. देवरी
176. धनेड़ा
177. ढेढुवा
178. ढोलर
179. ढोंढा
180. डोमहार
181. डोंगरसरवार
182. दुआरी
183. गजनी
184. गजवाही
185. गंधिया
186. घिरघोरी
187. घियार
188. घोरीघाट 171
189. घोरीघाट 175
190. घोरसा
191. गिरुई बड़ी
192. गिरुई खुर्द
193. गोपालपुर
194. गुरा
195. हरदुआ
196. हरतला
197. हिडवाह
198. हुड़राहा
199. जगरा टोला
200. जमुड़ी
201. जमुनारा
202. जमुनिहा
203. जराउखरा
204. झारा
205. झिरिया
206. झिरिया टोला
207. जोरा
208. कल्लेह
209. कनाड़ी कलां
210. कनाड़ी खुर्द
211. करकी
212. करपा
213. कतीरा
214. कौवा सराय
215. कीठ
216. खडगड़ी
217. खपकौहा
218. खरिका टोला
219. खुसरवाह
220. किरगी बरहा
221. कोल्हुआ
222. कोठीगढ़
223. कोठिया
224. कोयलारी
225. कुदारी
226. कुदरा
227. कुदरा टोला
228. कुंडा टोला
229. कुर्रन टोला
230. कुसमी
231. कुठुली
232. कुवारा
233. लखनपुर
234. लखनवार
235. लखनोटी
236. लपरी
237. लौंडी बहरा
238. लुकाम टोला
239. मढ़ा
240. महुआ टोला
241. मैर टोला
242. मलौटी
243. मसीरा
244. मसियारी
245. मतोहर
246. मीठी
247. मिठौली
248. मोहनी
249. मुदरिया टोला
250. मुहडोला
251. मुंगहा
252. नदना
253. नगदवाह
254. नगनौड़ी
255. नकटी टोला
256. लुधावली
257. नयागांव
258. भोंटी
259. करैरा
260. कोलारस
261. पुरानी शिवपुरी

बिहार

1. अहिरपुरवा
2. डिहारी
3. गढ़हनी
4. हदियाबाद
5. इचरी
6. मठिया
7. मोरसिया
8. रतनपुर
9. तेंदुनी

दिल्ली

1. वसंत कुंज
2. सुरखपुर
3. वाणी विहार, उत्तम नगर

अरुणाचल प्रदेश

1. पासीघाट
2. बसर
3. लोहितपुर
4. तेजू
5. बंदरदेवा
6. दोईमुख
7. किमिन
8. नम्पु
9. भालुकपोंग
10. धीरंग
11. आलो
12. लिकाबाली

असम

1. मोहनबाड़ी
2. ताराजन काकोटी
3. कामरूप मेट्रो
4. बोराकाटा पाथर
5. जालुकबाड़ी
6. सोनितपुर

मिजोरम

1. आइज़ोल
2. सेरछिप

झारखंड

1. चतरा
2. देवरिया
3. दुमका
4. अस्थल
5. बुंडुबेडा
6. देवगैन
7. जोन्हा
8. केरक्कट्टा
9. खाट
10. खट्टूखाल
11. रुद्रपुर

छत्तीसगढ़

1. अमरावती
2. कोंडागाँव
3. तमारा वांड
4. बीजापुर
5. सोनपुर
6. देउरबल
7. मालगाँव
8. मुंजमेट्टा
9. नारायणपुर
10. खरोरा
11. औंधी
12. छुरिया
13. डोमी कला
14. डोंगरगढ़
15. गाटापार खुर्द
16. खड़गांव
17. मदनवाड़ा
18. मानपुर
19. मोहला
20. पल्लेमाडी
21. पानाबरस
22. सीतागांव
23. करंजी

राजस्थान

1. ऐरा
2. जोधपुर
3. अदोती
4. अलुता
5. बालहेत
6. बरेकमा
7. बावरपुरा
8. भुदाना
9. चेचड़ा
10. चोदागावे
11. डंगाड़ा
12. डवारा
13. डोड़ा ढेकला
14. दन्वीपुर
15. एकत
16. गबड़ा
17. गणवाड़ा
18. घनपुर
19. गोरेहरा
20. हदोती
21. जतुवाड़ा
22. जोदली
23. खेदला
24. खोबीरा
25. किराड़ी
26. मधोराजपुर
27. मामचरी
28. मंगोराल
29. मसपट्टा
30. मिजोरा
31. नारायणपुर – टाटवार
32. नारोली
33. निमोड़ा
34. ओदाच
35. पदमपुरा
36. पहाड़पुरा
37. रानेटा
38. रावल
39. सांगड़ा
40. हरिरामपुरा
41. जेल्लीपरा
42. मोलाखेड़ी
43. नल्लासिंगा ऊरु
44. रघुवंती
45. सकारा
46. श्यामोली
47. वडविलोली
48. वरगम्पाड़ी ऊरु
49. टोंक

गुजरात

1. अहमदाबाद
2. घाटलोदिया
3. धंसुरा
4. डुंगरी
5. मोदासा
6. मोटी बोर्वाई
7. मोटी वाव
8. नानी बोर्वाई
9. नानी वाव
10. वडागाम
11. डगारा
12. राजपुर
13. साबरकांठा
14. लुसाडिया

महाराष्ट्र

1. नंदुरबार
2. पालघर
3. खोंडाचीवाड़ी
4. रंसाई
5. सतारा

तेलंगाना

1. 1. कोल्लासुडा
2. कोडुरु
3. कल्वाकुर्थी
4. माडिंगपाडर
5. ईस्ट मारेदपल्ली

गोवा

1. माल्कोपोन
2. क्रेपेम

कर्नाटक

1. बेंगलुरु स्थानीय क्षेत्र
2. गौरिबिदनूर तालुक
3. धरमपुरा
4. कर्नाड
5. मंड्या
6. मैसूरु शहर
7. रंगायना कोप्पलु
8. अथकुर
9. डोंगरमपुर
10. कोरथाकुंधा
11. कुर्वाकुरदा
12. मामदाडोडी
13. सगमगुंटा
14. सरजापुर
15. शाकवधी
16. यारगुंटा
17. बोटियो
18. बायसे
19. कुंडापुर तालुक
20. सिरीसी तालुक
21. करवार

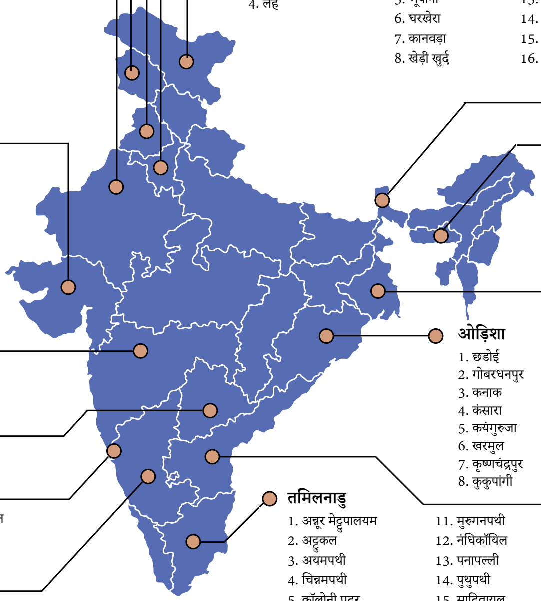

पंजाब

1. बंदुवा
2. सुमराला
3. थरियाल
4. मेहराज
5. कटार सिंह वाला
6. रामपुरा फूल
7. अबोहर
8. एपीएस फाजिल्का
9. माइरा
10. गोपालपुर
11. नकुड़र
12. शाहकोट
13. कपूरथला
14. फगवारा
15. हुरवा
16. मानसा
17. रल्ला
18. मोगा
19. गिद्दरबहा
20. कोलाड़
21. न्यू थरियाल

जम्मू और कश्मीर

1. मुथी (भलवाल ब्लॉक)
2. पांडोरी
3. पलवामा
4. सोनवर
5. बतवारा
6. बेमिना
7. बुडगाम
8. चारार-ए-शरीफ
9. डाल गेट
10. डाल लेक रोड
11. गोगजी बाग एरिया
12. गुंड
13. एचएमटी एरिया
14. मुनावराबाद
15. हम्हूमा
16. करन नगर
17. निशात गार्डन एरिया
18. रावलपोरा
19. सनात नगर
20. शिवपोरा
21. जाकुरा

लद्दाख

1. बाग-ए-खोमेनी
2. कारगिल
3. खुम्बाथांग
4. लेह

हरियाणा

1. अमृता हॉस्पिटल
2. अरुआ
3. बादशाहपुर
4. भैंसरावली
5. भूपानी
6. घरखेरा
7. कानवड़ा
8. खेड़ी खुर्द
9. खेड़ी कलां
10. मंडहवाली
11. नचौली
12. नवादा
13. पालवाली
14. रिवाजपुर
15. सिधोला
16. तिगांव
17. जींद
18. पुंडरी
19. बिहाली
20. कांटी
21. रामपुरा
22. ताजपुर

सिक्किम

1. लिंगडम
2. रांका
3. रोंगनेक
4. ताकथंगचेन
5. चुन्यांग
6. कबि टिंगड़ा
7. मंगशिला
8. फामटम
9. लाचुंग
10. सेंट्रल पेंडम

मेघालय

1. 3rd माइल, अपर शिलॉन्ग
2. अंजलि
3. चेरापूँजी
4. डेमसेनियोन्ग
5. डम्पेप
6. इविरंगेप
7. क्रांग
8. क्यर्देमख्ला
9. लाबान
10. लैटनोंगखेह
11. लांगक्यर्देम
12. लापलांग
13. लापलांग (ढ़ोंकी)
14. लुम्मावकोंग
15. मदनतिंग
16. मावबह
17. मावबेह
18. मावव्रॉन्ग
19. मावखर
20. मावक्रीआह
21. मावलिंगोट
22. मावलिनरेई
23. मावराह
24. मावर्यंकनेंग
25. मावसिनराम
26. मायलियम लिंग्कियन
27. मायलियम मावसावा
28. मायलियम माववान
29. नोंग्रह
30. नोंग्रीम हिल्स
31. नोंगुमलॉन्ग
32. पिंडेन्खाह
33. पिंथोरबाह
34. पिनुर्सला
35. शेला
36. स्मित
37. सोहरारिम
38. सोहुयंगखाम
39. स्यनियास्या
40. स्यनरंगशोह्रोह
41. तांगमांग
42. टायरसाड
43. उम्प्लिंग
44. उम्सनिंग
45. वाहकदैत
46. वाहखेन
47. वहानोंगखेह
48. वाहुमलेइन

पश्चिम बंगाल

1. जे जे नगर
2. काली नगर
3. कृष्णरामपुर
4. माजेरदारी
5. एमके नगर
6. आरएस मड़ई
7. सींकुली

ओड़िशा

1. छडोई
2. गोबरधनपुर
3. कनाक
4. कंसारा
5. कयंगुरुजा
6. खरमुल
7. कृष्णचंद्रपुर
8. कुकुपांगी
9. कुरुमिथा
10. मर्दराजपुर
11. पंचुपाड़ा
12. राजांगा
13. सिंकोला
14. तांतिचिरा
15. बामड़ा
16. अथेमुंडा
17. बागदुरी
18. बारापिता
19. भिकाजहराम
20. बिंध्यगिरि
21. बोर्भाटा
22. चंचर
23. चटाबरे
24. दीथिकुट्टी
25. डुकश्यापटना
26. डुंगरीपाड़ा
27. गुप्तापाड़ा
28. हरिदमड़ा
29. झारकुस्मखुंटी
30. जुगसाईपटाना
31. खलांदी
32. मुंडागुड़ा
33. सलापुर
34. सेमाड्टा
35. ज़ीरोटा
36. भोई साहि
37. जनला पोस्ट
38. मेंढसाला
39. पहाड़पुरा
40. पर्डमपरा
41. पवारपुरा
42. रानेटा
43. रूपपुरा
44. परादीप
45. गोप
46. सखिगोपा
47. राउरकेला

तमिलनाडु

1. अन्नूर मेट्टुपालयम
2. अट्टुकल
3. अयमपथी
4. चिन्नमपथी
5. कॉलोनी पुदुर
6. एट्टिमडई
7. कांदिवली
8. कोंडनूर
9. कोंडनूर पुदुर
10. मक्किनाइकेनपट्टी
11. मुरुगनपथी
12. नंधिकॉयिल
13. पनापल्ली
14. पुथुपथी
15. सादिवायल
16. सींकुली
17. सेंगुट्टई
18. अलगियापांडिपुरम
19. छोट्टा पनिक्कन थेरीविल्लै
20. इरुलुपुरम
21. माधवपुरम
22. नागरकोइल
23. ओट्टायालविलै
24. सुचिंद्रम
25. एलिस नगर
26. मदुरै
27. मदुरै एवी
28. पालामेडु
29. शोलावंदन
30. नागपट्टिनम
31. नागोर
32. एराविपुथूर
33. इनम चेट्टिकुलम
34. करुमपट्टोर
35. मरुंगूर
36. अमृतगिरि
37. पंचलिंगपुरम
38. सुंदरराजपुरम
39. थेरूर
40. ओलक्कुडई
41. रामेश्वरम
42. तिरुप्पुवनम
43. चिन्नमनूर
44. तिरुनेलवेली
45. पुंगन्धुरै
46. सेंदिलमपत्रै
47. कृराइकोंड
48. राजपालयम
49. सुलक्करै

आंध्र प्रदेश

1. अच्चम्मा कुंटा
2. चेंचू कॉलोनी
3. गुडीपाडु चेरुवु
4. गुंडलापाडु
5. हनुमानपुरम
6. बापटला मंडल में
7. कंदलकुंटा
8. करेमकुडी
9. क्रोसुरु
10. रेगुलावरम थांडा
11. मड्डुलपर्वा
12. पेड्डाकोमेरा
13. बोदुवलासा
14. गोत्तिवाडा
15. गुल्लेपल्ले
16. जेल्लारी पेट्टा
17. पेद्दहापाडु
18. विशाखापट्टनम
19. रामतीर्थम
20. विजयनगरम

मलप्पुरम

1. अम्बल्लूर
2. असमन्नूर
3. चेंदमंगलम
4. कुरुवा
5. मंजेरी
6. मुवट्टुपुझा
7. निरमरुथुर
8. पल्लिप्पुरम
9. परप्पुर
10. पेरुम्पडप्पा
11. तनूर
12. थाझेकोड
13. थुव्वूर
14. तिरूर
15. उरंगट्टिरी
16. वल्लिक्कुन्नु
17. वाझयूर
18. वेंगोला
19. वेट्टिक्कट्टिरी
20. अधिकारिथोडी

कोझिकोड

1. चेरुवन्नूर
2. चेंगोट्टुकावु
3. चोरोड
4. एरामला
5. कक्कोडी
6. कक्कूर
7. कोयिलांडी
8. ओमस्सेरी
9. ओन्चियम
10. थामरास्सेरी
11. थिक्कोडी
12. वडकारा
13. वेल्लिमाडुकुन्नु आश्रम

कासरगोड

1. कासरगोड
2. कन्हांगड
3. मधुर
4. निलेश्वरम

कन्नूर

1. कन्नूर
2. चेंगलायी
3. करिवेल्लूर पेरलम
4. कोलयाड
5. कूथुपरम्बु
6. मक्कूट्टम
7. पूकोड
8. रमन्थली
9. थलसेरी

वायनाड

1. अमरक्कुनी
2. अप्पाप्परा
3. अंचुकुन्नु
4. बेगूर, कट्टिक्कुलम
5. इरुलम
6. कनियाम्बेट्टा
7. कल्पेट्टा
8. कट्टिक्कुलम
9. कावमकुन्नु
10. कुन्नमंगल
11. मनंतवाडी
12. मेप्पाडी
13. मूडाक्कोली
14. मूनानक्कुझी
15. मुल्लनकोल्ली
16. मुथंगा
17. मुट्टिल
18. नडवायल
19. नालूरनाडु
20. नाथमकल
21. नेल्लाराचल
22. नूलपुझा
23. पडिंजरा थारा
24. पक्कम
25. पनामरम
26. पेरिया
27. पूथाडी
28. पोरुनन्नूर
29. पोझुथना
30. पुल्पल्ली
31. थरियूडु
32. तिरुनेल्ली
33. थोंडरनाडु
34. थ्रिस्सिलेरी
35. वलारमकुन्नु
36. वेगापल्ली
37. वेल्लामुंडा
38. वेल्लियाम्बम

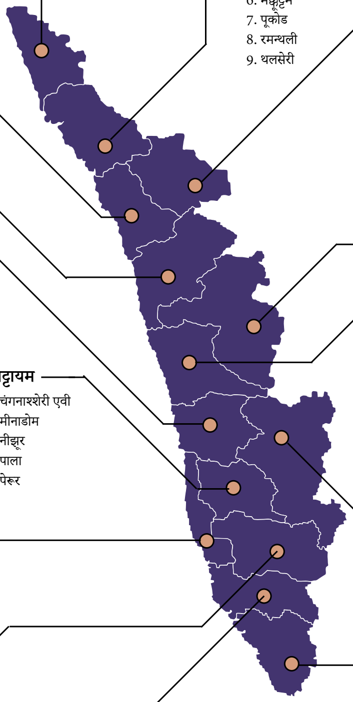

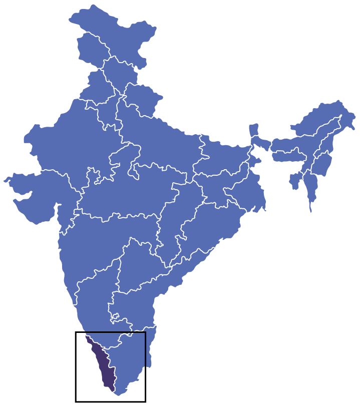

एर्नाकुलम

1. पोनक्करा
2. थम्मनम
3. अम्बल्लूर
4. अंगमाली
5. अयावना
6. अय्यम्पुझा
7. चारियमथुरुथ
8. चेल्लानम
9. चेंदमंगलम
10. चेन्नूर
11. चेरनेल्लूर
12. चेट्टिक्काडु
13. चिट्टाट्टुकारा
14. चूर्णिक्करा
15. चोट्टानिक्करा
16. एझिप्रम
17. एडाकोच्चि नॉर्थ
18. एडाकोच्चि साउथ
19. एडथला
20. एलमक्करा
21. एझिक्करा
22. फोर्ट कोच्चि
23. गांधी नगर
24. कदवन्थ्रा
25. कदयिरुप्पु
26. कालडी
27. कलूर
28. काल्वथी
29. करुकुट्टी
30. करुमल्लूर
31. करुवेलिप्पडी
32. कलिक्कडवु
33. कीझमाड
34. किझक्कम्बलम
35. कोडुवाझंगा
36. कोलेंचेरी
37. कूथाट्टुकुलम
38. कोट्टुवल्ली
39. कुम्बलंगी
40. कुन्नथनाडु
41. कुन्नुक्करा
42. कुन्नुम्पुरम
43. कुट्टमपुझा
44. लेबर कॉलोनी
45. मनसेरी
46. मंझप्रा
47. मराडी
48. मट्टनचेरी
49. मझुवन्नूर
50. मूकन्नूर
51. मूथाकुन्नम
52. मुलन्थुरुथी
53. मुनम्बम
54. मुवट्टुपुझा
55. न्यारक्कल
56. नॉर्थ परवूर
57. पालयरिवट्टम
58. पल्लुरुथी
59. पम्बाक्कुडा
60. पम्बायिमूला
61. पनंगाड
62. पवक्कुलम
63. पेरुम्बवूर
64. पिझला
65. पूथोट्टा
66. पुथनवेलिक्करा
67. थेवराकड
68. तिरुवनियूर
69. त्रिप्पुनिथुरा
70. थुरवूर
71. वडक्केक्करा
72. वडवुकोड
73. वलाकम
74. वरापुझा
75. वेंगोला
76. वैपिन

अलप्पुझा

1. अलप्पुझा नगरपालिका
2. अलप्पी बीच
3. अम्बलप्पुझा नॉर्थ
4. अम्बलप्पुझा साउथ
5. आर्याड
6. बुधनूर
7. चम्पाकुलम
8. चेरियनाड
9. चेट्टिकुलंगरा
10. चिंगोली
11. चुनाकरा
12. देविकुलंगरा
13. एवूर
14. एझुपुन्ना
15. हरिपाड
16. मामूद
17. मन्ननचेरी
18. मरारिकुलम साउथ
19. मेमाना
20. नेडुमुडी
21. नीलमपेरूर
22. नूरनाड
23. ओनम्पिल्ली
24. पालामेल
25. पल्लिकल
26. पुलिंकुन्नू
27. पुलियूर
28. पुन्नप्रा नॉर्थ
29. पुन्नप्रा साउथ
30. पुरक्कड
31. तकाझी
32. थलावडी
33. थझाकरा
34. त्रिक्कुन्नप्पुझा
35. थुरवूर
36. त्रिप्पक्कुडम
37. वल्लिकुन्नम

त्रिश्शूर

1. अविनिश्शेरी
2. अय्यन्थोल
3. चावक्काड
4. चेरुथुरुथी
5. कोडुंगल्लूर
6. कोरट्टी
7. नाट्टिका
8. पेरिंजनम
9. पुथूर
10. थलिक्कुलम
11. थन्नियम
12. वेल्लंगल्लूर
13. वेलुकारा

पालक्काड

1. कोट्टेक्काड
2. आलमारम
3. अलाथूर
4. अयिलूर
5. बूथिवाझी
6. चिंदक्की
7. चोलायिलपाडम
8. एलवंचेरी
9. गोंजियूर
10. काथिरामपथी
11. कुन्नंचला
12. मामना
13. मेले सम्बरकोड
14. अगली
15. मेलेनंजक्कांडी
16. एलमप्लास्सेरी
17. नक्कुपथी
18. नल्लेपिल्ली
19. नेल्लिपथी
20. ओट्टापालम
21. पालूर
22. पट्टिमलम
23. पेट्टिक्कल
24. पुदुकोड
25. शोलायूर
26. शोरनूर
27. थाझे सम्बरकोड
28. वरगम्पाडी
29. वेट्टिलाचोला

कोट्टायम

1. चंगनाश्शेरी एवी
2. मीनाडोम
3. नीझूर
4. पाला
5. पेरूर

इडुक्की

1. 10वां माइल
2. एडामलाकुडी
3. अडिमाली
4. अलम्पेट्टी कुडी
5. अम्बालाकुडी
6. अनाचल
7. अनाकुलम
8. अंडावनकुडी
9. बालाग्राम
10. बाइसन वैली
11. चेम्मन्नार
12. चेम्पकाप्पारा
13. चिन्नाप्पराकुडी
14. चिन्नार
15. चोक्रमुडिकुडी
16. कुम्बुम्मेट्टु
17. देविकुलम
18. एडालिप्पारा कुडी
19. एलमप्लास्सेरी
20. इरुम्पुपालम
21. कनक्कायम
22. कंदाथिकुडी
23. कंजिकुझी
24. कन्थलूर
25. कट्टामुडी कुडी
26. कट्टप्पना
27. कवक्कट्टुलकुडी
28. कीझुकनम
29. कोमलिकुडी
30. कूटार
31. कोरमपरा, पूप्परा
32. कोरवन्कांडी
33. कोट्टामाला
34. कोविलमाला
35. कुडयथूर
36. कुमली
37. कुम्बिटंकुझी
38. कुंजीपेट्टिकुडी
39. कुरथिकुडी
40. कुथिरयिलाकुडी
41. मंकुलम
42. मरयूर
43. म्लामाला
44. मूलामट्टम
45. मूव कोचुटोवाला
46. मूव मुनियारा
47. मूव पम्बनार
48. मूव राजामुडी
49. मुन्नार
50. मुरिक्कास्सेरी
51. मुरुकाडी
52. नरक्कानम
53. नेडुमंगडम
54. नेडुमकंडम
55. पाडिकप
56. पालार
57. परप्प
58. पट्टयिडम्बुकुडी
59. पीरमेड
60. पेरिंजमकुट्टी
61. पेरुवन्थनम
62. पेट्टिमुडिकुडी
63. पुथुकुडी
64. राजक्काड
65. राजकुमारी
66. सेवलकुडी
67. सूर्यनेल्ली
68. थालुमकंडम
69. तीर्थमाला कुडी
70. थेनमलाकुडी
71. थोडुपुझा
72. थोक्कुपारा
73. थोंडिमालाकुडी
74. थूकुपालम
75. थोप्रमकुडी
76. उप्पुथारा
77. वलारा
78. वलियाथोवाला
79. वंडीपेरियार
80. वट्टवडा
81. वाझथोप्पु
82. वेल्लावराकुडी
83. विरिपारा

तिरुवनंतपुरम

1. तिरुवनंतपुरम
2. बलरामपुरम
3. चिरायिनकीझु
4. कैमनम
5. करुमकुलम
6. किलिमनूर
7. किझुविलम
8. पप्पनमकोड
9. पेरुमकडविला
10. विलप्पिल

पथनमथिट्टा

1. अंगडिक्कल
2. अरनमुला
3. अरुवाप्पुलम
4. एझामकुलम
5. कदप्रा
6. कल्लारक्कडवु
7. कल्लूप्पारा
8. कोइपुरम
9. कोल्लामुला
10. कोन्नी
11. कोट्टंगल
12. कुलनाडा
13. कुन्नमथानम
14. कुरुम्पला
15. एम वार्ड
16. मलयालपुझा
17. मल्लप्पल्ली
18. मेझुवेली
19. नारंगानम
20. ओमल्लूर
21. पल्लिकल
22. पंडालम एवी
23. पंडालम थेक्केक्करा
24. पथनमथिट्टा एवी
25. पेरिंगानाडु (भाग)
26. रन्नी
27. तिरुवल्ला एवी
28. थुम्पामोन

कोल्लम

1. अडिनाड
2. अलप्पड
3. चावरा
4. चेरियाझीक्कल
5. क्लप्पना
6. करीप्रा
7. करुनागप्पल्ली
8. कट्टिलकडवु
9. कोट्टारक्करा
10. कुलशेखरपुरम
11. कुंडरा
12. कुझलिथुरा
13. नेडुवथूर
14. ओचिरा
15. पंडारथुरुथ
16. परिप्पल्ली
17. पेरिनाड
18. पुथियाकावु
19. सूरनाड
20. थाझवा
21. वल्लिकावु
22. वेलियम
23. वेट्टिक्कवला
24. विलक्कुडी
25. येरूर

स्वामी ज्ञानामृतानंदा पुरी राजस्थान के हरिरामपुरा के लोगों के साथ। 2013 में यह गाँव उन पहले गाँवों में से था जिन्हें मठ ने गोद लिया था।

1

3

4

2

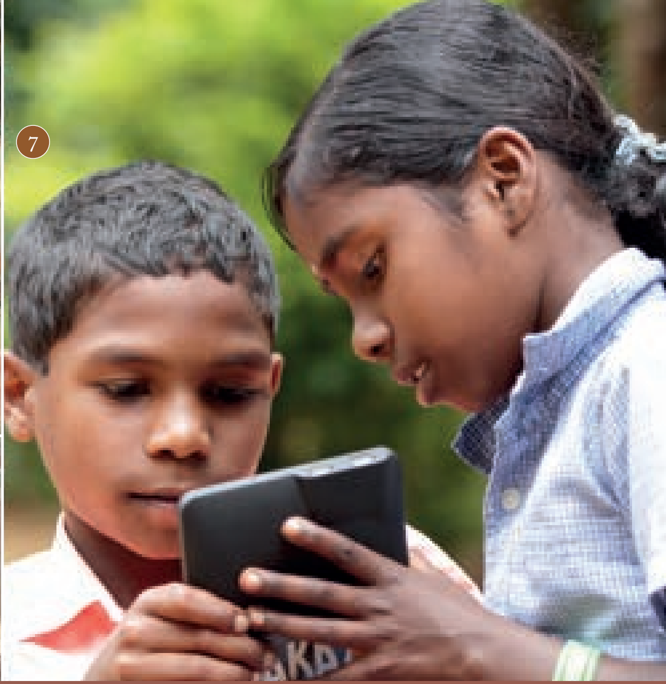

1. महिला समूहों ने अपने समुदायों में शौचालय बनाने के लिए राजमिस्त्री का कौशल सीखा। भारत सरकार ने हमारे 12 गाँवों को खुले में शौच मुक्त (ODF) घोषित किया है।
2. महिलाएँ आय के एक नए स्रोत के रूप में सौख्यं रीयूसेबल पैड्स बनाने के लिए केले के रेशे का उपयोग करती हैं, जो मासिक धर्म स्वच्छता और पर्यावरणीय कार्यों में भी सहायता करता है।
3. 8 राज्यों के 13 गाँवों में सौर और हाइड्रो स्मार्ट ग्रिड लगाए गए हैं, ताकि उन स्थानों पर बिजली पहुँचाई जा सके जहाँ घंटों या दिनों तक बिजली गुल रहती थी।
4. तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के सदिवयाल के किसानों को राज्य सरकार से जैविक प्रमाणन (Organic Certification) प्राप्त हुआ।
5. अमृता अस्पताल, कोच्चि में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता गाँवों में नैदानिक परीक्षण करते हैं और निवारक देखभाल प्रदान करते हैं।
6. कई राज्यों, विशेष रूप से ओडिशा और झारखंड के 'अमृता सर्व' गाँवों में वयस्क साक्षरता कक्षाएं चलाई जा रही हैं।
7. हमारे ट्यूशन केंद्र स्कूल में उपस्थिति को प्रोत्साहित करने के लिए टैबलेट का उपयोग करते हैं। 22 राज्यों के 1,220 गाँवों के बच्चों तक पहुँच बनाई गई है।
8. हमारे ग्राम समन्वयक और स्वास्थ्य कार्यकर्ता स्थानीय क्षेत्रों से ही नियुक्त किए जाते हैं, क्योंकि समुदाय के सदस्य उन पर भरोसा करते हैं।
9. लेमनग्रास आवश्यक तेल के सौर-आधारित आसवन की एक परियोजना ने वायनाड के एक निर्धन आदिवासी समुदाय की महिलाओं के लिए स्थिरता और आजीविका प्रदान की है।

amrit.am/villages

लिव-इन-लैब्स®

जीवन को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करना

अमृता विश्वविद्यालय के छात्र राजस्थान के हरीरामपुरा में ग्रामीणों के साथ बातचीत करते हुए।

"सभी विश्वविद्यालयों को अपने छात्रों को उनकी शिक्षा के दौरान कम से कम एक या दो महीने के लिए निर्धन ग्रामीण गाँवों या शहरों की झुग्गी-झोपड़ियों में भेजना चाहिए। वे सीधे उन मुद्दों और समस्याओं को देख पाएंगे जिनका सामना गरीबों को करना पड़ता है।"

— अम्मा
मुख्य भाषण,
संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक प्रभाव

amrit.am/live-in-labs

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

10 लाख+ लाभार्थी

25 राज्य

700+ परियोजनाएं

2,800+ गाँव

30+ अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय

10 लाख+ घंटे फील्ड में

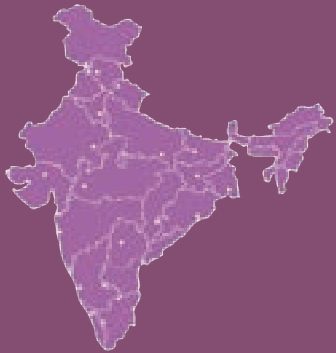

लिव-इन-लैब्स® का निर्माण 2013 में अमृता विश्वविद्यालय की चांसलर के रूप में अम्मा द्वारा किया गया था, ताकि छात्र अपनी शिक्षा के हिस्से के रूप में निर्धन गाँवों में समय बिता सकें। यह प्रत्यक्ष अनुभव न केवल उन्हें उन मुद्दों को समझने में मदद करता है जिनका सामना गरीब करते हैं, बल्कि करुणा भी जगाता है, जिससे वे समाधान खोजने के लिए प्रेरित होते हैं। वे जीवन की दैनिक चुनौतियों—जैसे भोजन, स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, स्वच्छता, स्थिर आवास और बिजली की कमी—को प्रत्यक्ष देखते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें लोगों की बात वास्तव में सुनने का अवसर मिलता है। इसके बाद छात्र समुदाय की ज़रूरतों की पहचान करने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने एवं लागू करने के लिए इस अनुभव का उपयोग करते हैं।

30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के छात्र भी इसमें भाग लेने के लिए आते हैं। ये परियोजनाएं व्यापक, किफायती और टिकाऊ हैं।

UNESCO CHAIR on Experiential Learning for Sustainable Innovation & Development

AI के माध्यम से जानवरों के हमलों से फसलों की रक्षा

हरीरामपुरा, राजस्थान
E4Life पीएचडी स्कॉलर्स अमृता विश्वविद्यालय, स्कूल फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर्स

किफायती और टिकाऊ ग्रामीण स्वच्छता मॉडल

डुंडा, उत्तराखंड
अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी: EPFL, स्विट्जरलैंड

सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

रतनपुर, बिहार
अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी: टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, कनाडा

आदिवासी गाँवों में बच्चों के लिए शराब के प्रति जागरूकता

वायनाड, केरल
अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी: हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, USA

करुणा-प्रेरित अनुसंधान

दुनिया की सेवा के लिए विज्ञान को आगे बढ़ाना

अमृता विश्व विद्यापीठम एक शोध-प्रधान विश्वविद्यालय है, जो गरीबी से लेकर जलवायु परिवर्तन और डिजिटल सुरक्षा तक, मानव जाति के सबसे गंभीर मुद्दों के समाधान खोजने पर आधारित है। चांसलर के रूप में, अम्मा कहती हैं कि यदि हम करुणा को केवल एक शब्द के बजाय कार्य के पथ में बदल सकें, तो हम दुनिया की 90% चुनौतियों को हल कर सकते हैं।

उनका यह दृष्टिकोण विश्वविद्यालय के मूल सिद्धांत को परिभाषित करता है: वैज्ञानिक उत्कृष्टता को पीड़ितों को राहत देनी चाहिए। करुणा-प्रेरित अनुसंधान ही प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के चयन, प्रौद्योगिकियों के डिजाइन, सहयोग की संरचना और पहलों के कार्यान्वयन का मार्गदर्शन करता है। अकादमिक जांच को मानवीय कार्यों से अलग रखने के बजाय, अमृता इन दोनों को एकीकृत करती है।

"आंतरिक प्रेरणा तभी आती है जब हम अपने साथी मनुष्यों और समाज के उत्थान के लिए काम करते हैं। तभी हमारी अवलोकन शक्ति प्रखर होगी और हमारी अंतर्निहित प्रतिभाएं जागृत होकर ज्ञान के नए और गहरे क्षेत्रों को उजागर करेंगी।"

- अम्मा
चांसलर,
अमृता विश्वविद्यालय

हमारे 37 संकायों (faculty) को स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के 'विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों, 2025' में मान्यता दी गई थी।

पूर्वोत्तर भारत के उन गाँवों में से एक जहाँ मठ पहुँचे हैं।

छह प्रमुख चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना

- **वन हेल्थ** एकीकृत स्वास्थ्य और कल्याण: भविष्य कहनेवाला, व्यक्तिगत और निवारक खाद्य सुरक्षा और कृषि तकनीकें
- **सूचना, बुद्धिमत्ता और विसर्जन** अति-जुड़ी वास्तविकता (Hyper-Connected Reality) और साइबर स्पेस को सुरक्षित करना सर्वव्यापी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Ubiquitous AI)
- **जीवन के लिए शिक्षा: ज्ञान, जागरूकता, अंतर्संबंध** मूल्य-आधारित शिक्षा और भारतीय अध्ययन: करुणा और समावेशिता का विकास शिक्षाशास्त्र (Pedagogies), उभरती तकनीकें और भारतीय ज्ञान प्रणालियाँ
- **पारिस्थितिकी तंत्र बहाली और प्रबंधन** जलवायु परिवर्तन और आपदा लचीलापन: मॉडल, तकनीकें और समाधान पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली, पर्यावरणीय स्थिरता और प्रबंधन
- **स्मार्ट, टिकाऊ और लचीले शहर एवं समुदाय** स्मार्ट, हरित सामग्री और इंटेलिजेंट मैन्युफैक्चरिंग क्वांटम विज्ञान, इंजीनियरिंग, कंप्यूटिंग और प्रौद्योगिकियां
- **सशक्त नागरिक और संगठन** सतत आजीविका: कौशल, नीति, शासन, सामाजिक परिवर्तन जिम्मेदार नेतृत्व, नवीन भागीदारी और सशक्त संगठनात्मक प्रणालियाँ

संख्याओं में शक्ति

21,500+ विभिन्न विषयों में प्रकाशित शोध पत्र

250,000+ वैश्विक स्तर पर प्राप्त उद्धरण (citations)

170+ स्वीकृत पेटेंट

500+ वर्तमान में चल रही सक्रिय शोध परियोजनाएं

₹600+ करोड़ अनुसंधान वित्तपोषण (research funding) में

500+ अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग

अनुसंधान में अपशिष्ट जल स्वच्छता में सुधार के लिए संक्रमण का जैव-नियंत्रण शामिल है।

अनुसंधान से वास्तविकता तक

हमारे कुछ प्रमुख मील के पत्थर (Milestones) जहाँ नवाचारों ने लोगों के दैनिक जीवन में वास्तविक बदलाव लाए हैं:

- भूस्खलन की पूर्व चेतावनी: भूस्खलन का जल्दी पता लगाने के लिए दुनिया की पहली वायरलेस सेंसर नेटवर्क प्रणाली।
- ऐतिहासिक चिकित्सा उपलब्धि: ऊपरी बांह का एशिया का पहला 'डबल हैंड ट्रांसप्लांट' (दोनों हाथों का प्रत्यारोपण)।
- कौशल विकास: कौशल विकास के लिए भारत का पहला 'हैप्टिक्स' और AI-आधारित प्लेटफॉर्म।
- सुलभ स्वास्थ्य तकनीक: किफायती इंसुलिन पंप और रिमोट ईसीजी निगरानी उपकरण।
- ओशननेट - समुद्र में मछली पकड़ने वाले मछुआरों के लिए तट से दूर संचार प्रणाली।
- स्वच्छता तकनीक: कम लागत वाली और टिकाऊ स्वच्छता तकनीकें।
- कैंसर और नैनोमेडिसिन: गैर-आक्रामक कैंसर निदान और नैनोमेडिसिन अनुसंधान।

ओडिशा में हमारी भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणाली प कार्य जारी।

हैप्टिक्स प्रशिक्षण उपकरणों और वस्तुओं का अनुकरण करता है ताकि उपयोगकर्ता सुरक्षित रूप से कौशल सीख सकें।

अफगानिस्तान के अब्दुल रहीम, एशिया के पहले ऊपरी बांह के 'डबल हैंड ट्रांसप्लांट' (दोनों हाथों का प्रत्यारोपण) प्राप्तकर्ता।

E4Life के विद्वानों का पहला बैच, जो 2025 में स्नातक हुए।

E4Life पीएचडी फेलोशिप—ग्रामीण भारत में अनुसंधान

प्रत्येक वर्ष, अमृता विश्वविद्यालय ग्रामीण भारत के लिए टिकाऊ समाधान विकसित करने हेतु समर्पित पीएचडी छात्रों के लिए 100 पूर्णतः वित्तपोषित फेलोशिप प्रदान करता है, जिसके लिए $5.1 मिलियन (लगभग ₹42 करोड़) की प्रतिबद्धता जताई गई है। 70% से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ, यह कार्यक्रम एक अद्वितीय, बहु-विषयक और वैश्विक स्तर पर सहयोगात्मक वातावरण को बढ़ावा देता है। ये शोधार्थी—जो इंजीनियरिंग, सामाजिक विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान और पर्यावरण अध्ययन सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करते हैं—देश भर के गाँवों में सीधे तौर पर कठोर, क्षेत्र-आधारित अनुसंधान में संलग्न होते हैं।

amrita.edu/research

अमृता अनुसंधान केंद्र

उन्नत सामग्री और हरित प्रौद्योगिकी (CoE-AMGT)

साइबर सुरक्षा प्रणाली और नेटवर्क (TIFAC-CORE)

डिजिटल समावेशन के माध्यम से जनजातीय सशक्तिकरण (CoE-TEDI)

भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण केंद्र (CoE)

वायरलेस नेटवर्क और अनुप्रयोग

अम्माची लैब्स (कौशल विकास और रोबोटिक्स)

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण

सुलभ तकनीक और शिक्षा अनुसंधान केंद्र

इंटरनेट अध्ययन और AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)

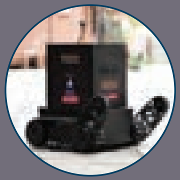
मानवीय प्रौद्योगिकी (HuT) लैब्स

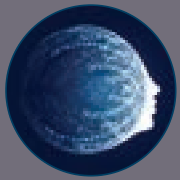
माइंड ब्रेन सेंटर

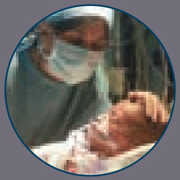
अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च

ICMR सहयोगी बाल हृदय रोग केंद्र (CoE)

ICMR सहयोगी सर्पदंश अनुसंधान केंद्र (CoE)

नैदानिक परीक्षण उन्नत केंद्र

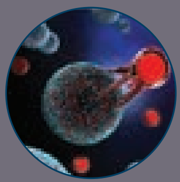
CAR T-सेल थेरेपी केंद्र (CoE)

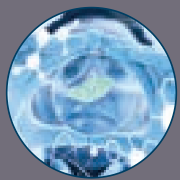
नैनोसाइंस और आणविक चिकित्सा (CoE)

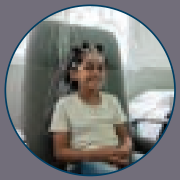
बाल तंत्रिका संबंधी विकार केंद्र (CoE)

रोगाणुरोधी प्रतिरोध केंद्र (CoE)

अंग प्रत्यारोपण केंद्र (CoE)

वयस्क टीकाकरण विशिष्ट केंद्र (CoE)

आयुर्वेद में उन्नत अनुसंधान केंद्र (CoE)

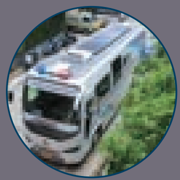
डिजिटल स्वास्थ्य और टेलीमेडिसिन

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग

पर्यावरण
बेहतर भविष्य के लिए एक हरित दृष्टिकोण

हमारी पर्यावरणीय पहलें स्थिरता के ऐसे समाधान खोजने पर केंद्रित हैं, जिन्हें सरल और व्यावहारिक कदमों के माध्यम से बड़े पैमाने पर अपनाया जा सके। हमारी कई परियोजनाओं और कार्यक्रमों को 'सतत विकास के लिए शिक्षा' के संयुक्त राष्ट्र दशक के हिस्से के रूप में यूनेस्को (UNESCO) द्वारा औपचारिक रूप से मान्यता दी गई है।

दुनिया भर में 60 लाख से अधिक पेड़ लगाने के साथ, मठ यूएन 'बिलियन ट्री' अभियान के एक सदस्य संगठन हैं। अन्य पहलों में विश्वव्यापी पर्यावरण जागरूकता अभियान, ग्रामीण भारत के गरीब परिवारों को उनके पोषण में सुधार के लिए 'किचन गार्डन' (बगीचा) उगाने में सहायता करना, और हमारे अपने संस्थानों में नवीन अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को लागू करना शामिल है।

मठ ने 'नमामि गंगे' के लिए ₹100 करोड़ का दान दिया—जो गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने और इसकी पवित्र परंपराओं के प्रति संरक्षण और श्रद्धा को बहाल करने के लिए भारत सरकार की एक परियोजना है।

दुनिया भर में
60 लाख+
पेड़ लगाए गए

केरल में 13 किलोमीटर
लंबी तटरेखा के साथ
30,000 पेड़ लगाए गए

हमारा वैश्विक सीडबॉल अभियान

दुनिया भर के स्वयंसेवकों ने अपने स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में 10 लाख से अधिक सीडबॉल वितरित किए हैं। बीज, मिट्टी और अन्य जैविक सामग्रियों के मिश्रण से तैयार इन सीडबॉल्स को वनों और अन्य वनस्पतियों की बहाली के लिए सार्वजनिक क्षेत्रों में बिखेरा जाता है। 2023 में, भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय नौसेना, तमिलनाडु वन विभाग और पुडुचेरी सरकार की भागीदारी के साथ इस अभियान का शुभारंभ किया। टीमों ने हेलीकॉप्टर के माध्यम से वितरण सहित 2 लाख और सीडबॉल वितरित किए।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री, **श्री नरेंद्र मोदी,** 'स्वच्छ भारत अभियान' में योगदान के सम्मान में अम्मा को एक विशेष पुरस्कार प्रदान करते हुए।

amrit.am/environment

अमल भारतम अभियान (Amala Bharatam Campaign)

अमल भारतम अभियान (ABC) एक ऐसा कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करना और भारत की भौतिक सुंदरता को बहाल करना है। स्वयंसेवक नियमित और समय-समय पर सड़कों, बाजारों, मंदिरों, सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों की सफाई का कार्य करते हैं। इसमें कचरे की छंटाई, पुनर्चक्रण (recycling), कचरे का उचित निपटान और सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण शामिल है।

ABC लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने, थूकने और पेशाब करने से बचने तथा पर्यावरणीय स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता के प्रति अधिक जागरूक करने के लिए भी काम कर रहा है। यह पहल भारत की हर भाषा और हर राज्य में निरंतर जारी है और देश भर में पहले ही लाखों लोगों तक पहुँच चुकी है।

7,500+ सफाई अभियान चलाए गए

6,500+ कार्यशालाएं आयोजित की गईं

1 लाख+ स्वयंसेवकों को लामबंद किया गया

5 लाख+ घंटे इस कार्य में व्यतीत किए गए

अम्मा और 800 भक्तों ने 2013 के कोलकाता दर्शन कार्यक्रम के समाप्त होने के तुरंत बाद, रात 11 बजे सार्वजनिक कचरे को साफ करने के लिए सड़कों पर उतरकर सफाई की।

केरल की एक व्यस्त शहर की सड़क पर 'अमल भारतम अभियान' (ABC) के स्वयंसेवक।

पूरे भारत में युवा भी सार्वजनिक जागरूकता अभियान चलाते हैं।

बीमारी की रोकथाम के बारे में शिक्षित करने के लिए अम्मा ने स्कूली बच्चों को **10 लाख पुन - प्रयोज्य** रूमाल प्रदान किए हैं। बच्चों ने आम जनता को भी रूमाल वितरित किए।

सबरीमाला का विशाल स्वच्छता अभियान - प्रकृति की देखभाल, पवित्र स्थानों की देखभाल

2011 में, त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के सदस्यों ने दुनिया की सबसे बड़ी वार्षिक तीर्थयात्राओं में से एक, सबरीमाला में सार्वजनिक स्वच्छता अभियान के लिए अम्मा से मदद मांगी। 'अमल भारतम' के स्वयंसेवक सफाई के सामान और रबर के जूतों के साथ एकजुट हुए। 18 से 80 वर्ष की आयु के, जीवन के हर क्षेत्र, संस्कृति और देशों के लोगों ने प्रकृति माँ के प्रति प्रेम के साथ कार्य किया।

अगले वर्ष, स्वयंसेवकों ने एक अस्थायी बांध भी बनाया जहाँ नदी कई वर्षों से अवरुद्ध थी—जिससे नदी का वह तल सामने आया जहाँ पत्थरों के चारों ओर कचरा लिपटा हुआ था और कीचड़ में दबा हुआ था। टीमों ने दो दिनों के भीतर 98 ट्रक कचरा निकाला और उसका निपटान किया, जिससे पंपा नदी फिर से स्वतंत्र रूप से बहने लगी।

अमल भारतम के वार्षिक स्वच्छता अभियान 2017 तक जारी रहे, जिससे मानव जाति और हमारी प्राकृतिक दुनिया के बीच के अंतर्निहित बंधन को मजबूती मिली। 2018 में, केरल सरकार ने इस स्थल को 'प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र' घोषित कर दिया और कपड़े फेंकने पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

इन वर्षों में, कुल 20,035 स्वयंसेवकों ने 2.1 लाख बैग कचरा इकट्ठा किया। उनके लिए सफाई केवल सफाई नहीं थी। सफाई आनंदमयी थी। सफाई शुद्ध करने वाली थी। सफाई प्रेम का एक श्रम था।

ग्रीनफ्रेंड्स

2001 में, मठ ने 'ग्रीनफ्रेंड्स' की शुरुआत की, जो स्वयंसेवकों का एक वैश्विक समूह है। यह समूह व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तरों पर हमारी दुनिया को बेहतर बनाने के लिए चरण-दर-चरण ठोस कदम उठाता है। आज, अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और एशिया के 50 से अधिक देशों में इसके सदस्य हैं। सभी आयु वर्ग के लोग हमारे वृक्षारोपण अभियानों, सब्जी और फूलों की बागवानी, मिट्टी की बहाली (soil restoration), मधुमक्खी पालन, पर्यावरण शिक्षा, प्लास्टिक अपसाइकिलिंग और अन्य गतिविधियों में भाग लेते हैं।

महिलाओं की सुरक्षा, धरती माँ की सुरक्षा

मठ ने सौख्यं रीयूसेबल पैड्स (Saukhyam Reusable Pads) की शुरुआत की, जो केले के रेशे पर आधारित दुनिया का पहला मासिक धर्म उत्पाद है। अब तक 29 लाख से अधिक पैड्स की बिक्री और वितरण के साथ, ये प्लास्टिक प्रदूषण को कम करते हैं और महिलाओं के स्वास्थ्य का समर्थन करते हैं। इन पैड्स का निर्माण ग्रामीण भारत की महिलाओं द्वारा किया जाता है, जिससे उनके परिवारों के लिए आय का एक नया स्रोत उपलब्ध होता है।

अफ्रीका का निर्माण, साथ मिलकर

एक महाद्वीप, एक वैश्विक भविष्य

अफ्रीका का उत्थान और प्रगति अम्मा के हृदय के बहुत करीब है। जब 2013 में उन्होंने पहली बार केन्या की यात्रा की और वहां के लोगों की गंभीर पीड़ा को देखा, तो उनके मन में वहीं रुककर उनकी सेवा करने की तीव्र इच्छा जाग्रत हुई। साथ ही, अम्मा अफ्रीका के नागरिकों में जबरदस्त क्षमता देखती हैं। उनका मानना है कि यदि यह क्षमता जागृत हो जाए, तो वे पूरी दुनिया के उत्थान में एक शक्तिशाली योगदान दे सकते हैं। हालांकि अफ्रीका को गरीबी, जलवायु परिवर्तन और सशस्त्र संघर्ष जैसी गहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन यहाँ दुनिया के युवाओं का सबसे बड़ा प्रतिशत, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विशाल प्राकृतिक संसाधन भी मौजूद हैं।

अम्मा ने 2009 में केन्या में अपना मानवीय कार्य शुरू किया। उनके दृष्टिकोण के माध्यम से, मठ एक ऐसे महाद्वीप का समर्थन कर रहे हैं जहाँ समुदाय सशक्त हों, संसाधनों तक समान पहुँच हो और स्थायी शांति बनी रहे। एक ऐसा अफ्रीका, जहाँ मानवीय कार्य लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के व्यापक लक्ष्य के साथ दीर्घकालिक लचीलेपन का समर्थन करते हैं।

आशा का एक आश्रय - 'अमृता वाटोटो बोमा' नैरोबी के बाहरी इलाके में स्थित एक झुग्गी-झोपड़ी के लगभग 150 बच्चों के लिए हमारा स्कूल है। रविवार के दिन, मठ अन्य 250 बच्चों के लिए मुफ्त दोपहर का भोजन भी परोसते हैं।

गरीबी के चक्र को तोड़ने के साधन - केन्या और रवांडा में, मठ ने युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए हैं, जिनमें सिलाई, हाउसकीपिंग, बढ़ईगिरी, प्लंबिंग, मोटरबाइक मरम्मत और इलेक्ट्रिकल ट्रेड शामिल हैं।

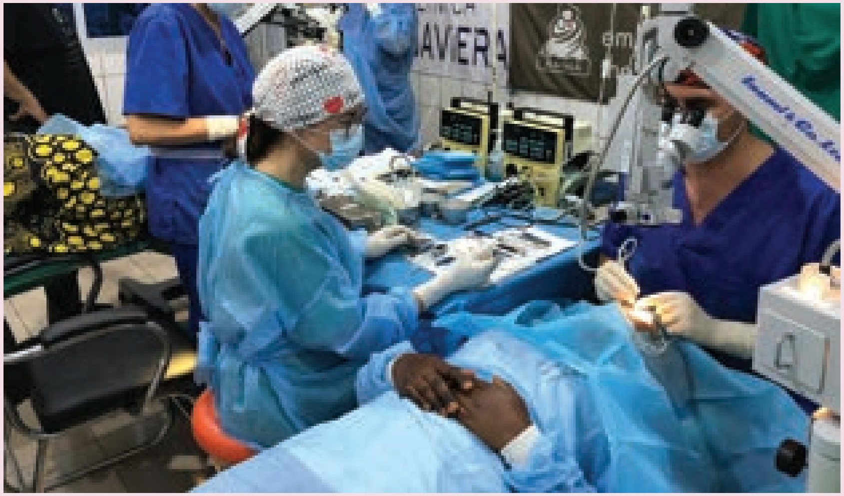

दृष्टि की शक्ति वापस लाना

स्पेन के स्वयंसेवक नेत्र रोग विशेषज्ञ और ऑप्टोमेट्रिस्ट उप-सहारा अफ्रीका की यात्रा करते हैं ताकि झुग्गी-झोपड़ियों और दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में मोतियाबिंद का मुफ्त ऑपरेशन कर सकें। उन्होंने केन्या, सिएरा लियोन, जाम्बिया, कैमरून, सेनेगल और बुर्किना फासो में 9,700 से अधिक सर्जरी की हैं। मठ ने लोगों को 36,850 से अधिक चश्मे की जोड़ियाँ भी प्रदान की हैं।

जब छोटी चीज़ें भी मायने रखती हैं

मठ ने पूरे केन्या में, विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में, दृष्टिबाधित लोगों के लिए 23,000 से अधिक सफेद छड़ियाँ वितरित की हैं। मठ ग्रामीण स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को दृष्टि दोष की शीघ्र पहचान और उपचार के विकल्पों के बारे में भी प्रशिक्षित कर रहे हैं ताकि उनके आसपास के गाँवों के लोगों तक मदद पहुँच सके।

एक साझा बंधन

अमृता विश्वविद्यालय अफ्रीका के 350 छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए भारत आने में सहायता करने हेतु एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम चलाता है, जिसमें अमृता के मेडिकल स्कूलों पर विशेष जोर दिया गया है। अम्मा अफ्रीका और भारत के बीच सतत विकास के लिए एक ऐसे साझा बंधन की कल्पना करती हैं जो ज्ञान और करुणा के आदान-प्रदान पर आधारित हो। विश्वविद्यालय ने 15 अफ्रीकी देशों के प्रमुख सरकारी अधिकारियों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ संपर्क स्थापित किया है।

एक महत्वपूर्ण आवश्यकता के संरक्षक

तंजानिया के ग्रामीण मोशी के शुष्क और कठिन परिदृश्यों में, मठ ने चार गाँवों की स्थानीय महिलाओं को उनके अपने जल प्रणालियों की सुरक्षा, निगरानी और प्रबंधन करने के लिए प्रशिक्षित किया है।

आयुध (AYUDH)

युवाओं को एक उद्देश्य के साथ सशक्त बनाना

आयुध (अमृता युवा धर्मधारा) हमारा अंतरराष्ट्रीय युवा आंदोलन है, जो युवाओं को एक शांतिपूर्ण और टिकाऊ दुनिया में योगदान देने और सहिष्णुता, एकजुटता और वैश्विक जिम्मेदारी की भावना के साथ करुणामयी नेता बनने के लिए सशक्त बनाने हेतु समर्पित है।

आत्म-परिवर्तन और दूसरों की सेवा के माध्यम से, आयुध युवाओं को समाज की बेहतरी के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है। आयुध की पहल दुनिया भर के युवाओं द्वारा और उनके लिए ही आयोजित की जाती है, जो इन चार मुख्य स्तंभों पर आधारित हैं:

समाज सेवा - सामुदायिक आउटरीच के माध्यम से व्यक्तिगत और वैश्विक परिवर्तन में योगदान देना।

व्यक्तिगत विकास - युवाओं को उनकी रचनात्मक और नवीन क्षमता व्यक्त करने और नेतृत्व एवं जीवन कौशल हासिल करने के लिए सशक्त बनाना।

सतत पहल - भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को संरक्षित और सुरक्षित करने हेतु एक स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देना।

अंतःसांस्कृतिक आदान-प्रदान - विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों और सामाजिक पृष्ठभूमि के युवाओं के बीच सेतु का निर्माण करना, साथ ही उन युवाओं के एक वैश्विक नेटवर्क का ढांचा तैयार करना जो एक बेहतर दुनिया बनाने की महत्वाकांक्षा साझा करते हैं।

अहमदाबाद में प्रवासी श्रमिकों के लिए गर्म शीतकालीन कपड़े। आयुध ने गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुँचाई।

भारत (India): ayudh.in
यूरोप (Europe): ayudh.eu
अमेरिका (Americas): ayudh.org

आयुध यूरोप, अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में सक्रिय है।

2018 में केरल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भोजन वितरित करते आयुध सदस्य।

आयुध पुणे ने कंपनियों, हाउसिंग सोसायटियों और शैक्षणिक संस्थानों में जैविक टेरेस-गार्डनिंग (छत पर बागवानी) कार्यशालाएं आयोजित करके हरित पहल लागू करने के लिए स्थान की कमी की समस्या का समाधान किया, जिससे एक वर्ष में कुल 6,000 परिवारों तक पहुँच बनाई गई।

2017 में अम्मा के वार्षिक विश्व दौरे के दौरान, आठ देशों के 10 शहरों में आयुध यूरोप ने काउंसिल ऑफ यूरोप के 'नो हेट स्पीच मूवमेंट' (नफरत फैलाने वाले भाषणों के खिलाफ आंदोलन) को बढ़ावा दिया।

amrit.am/ayudh

IAM और अमृता योग

अपने जीवन पर अधिकार पाने के लिए स्वयं पर विजय प्राप्त करें

इंटीग्रेटेड अमृता मेडिटेशन (IAM)

अम्मा द्वारा 2003 में शुरू की गई 'इंटीग्रेटेड अमृता मेडिटेशन तकनीक' (IAM), समग्र कल्याण के लिए शरीर, श्वास और मन के एकीकरण पर केंद्रित है। IAM में विश्राम के लिए यौगिक स्ट्रेचिंग, गहरे और लयबद्ध श्वास व्यायाम और एकाग्रता अभ्यासों का संयोजन शामिल है। इसके अभ्यास में दिन में केवल 15 से 35 मिनट का समय लगता है। IAM सभी आयु वर्ग और सभी धर्मों के लोगों के लिए आदर्श है, क्योंकि योग धर्म से परे है।

वेबसाइट लिंक्स

amrit.am/practices
iam-meditation.org
amritayoga.com

अमृता योग – अंतरात्मा के अमृत का आनंद लेना

अमृता योग, जो एक अद्वितीय ‘हठ योग’ कार्यक्रम है, दुनिया भर में 74 लाख लोगों तक पहुँच चुका है। योग मुद्राओं की यह श्रृंखला अम्मा से प्रेरित है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को योग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं ताकि वे शांतिपूर्ण, सामंजस्यपूर्ण और पूर्ण जीवन जी सकें। 1987 में, प्रशिक्षित शिक्षकों ने केरल में इन पाठ्यक्रमों की शुरुआत की थी, और जल्द ही यह कार्यक्रम हमारे अंतरराष्ट्रीय केंद्रों के माध्यम से दुनिया भर के छात्रों तक फैल गया। 2014 में, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अनुरोध पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को ‘अंतरराष्ट्रीय योग दिवस’ घोषित किया। तब से, भारत के आयुष मंत्रालय ने देश और विदेश में योग गतिविधियों के समन्वय, प्रचार और निष्पादन में सहायता करने का श्रेय ‘अमृता योग’ को दिया है।

जेलों में योग और ध्यान प्रशिक्षण

2019 में, मठ ने कैदियों को योग और ध्यान सिखाने के लिए तमिलनाडु और केरल की राज्य सरकारों के साथ समन्वय शुरू किया। कैदी अपनी स्वयं की योग्यता और आत्म-मूल्य को पहचानना सीखकर आत्म-जागरूकता और आत्मविश्वास विकसित करते हैं, जो अच्छे नागरिकों के रूप में समाज में उनके पुन: प्रवेश में सहायता करता है। अब तक, केरल में 22,237 और तमिलनाडु में 6,732 कैदी इसमें भाग ले चुके हैं। इसमें 805 स्वयंसेवकों द्वारा सिखाए गए 1,870 सत्र शामिल हैं।

IAM - भारत की सीमाओं पर तैनात सशस्त्र बलों के लिए ‘इंटीग्रेटेड अमृता मेडिटेशन’।

अमृता विद्यालयम हायर सेकेंडरी स्कूल में ‘अंतरराष्ट्रीय योग दिवस’।

अमृतापुरी आश्रम में ‘अमृता योग’ प्रशिक्षण सत्र।

विश्व-मातृत्व

एक शाश्वत सत्य है, जो समय के साथ अपरिवर्तनीय रहता है—सृष्टिकर्ता और सृष्टि एक ही हैं। इस सत्य को आत्मसात करना ही मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। समय-समय पर, महान आत्माएं हमारा हाथ थामने और हमारा मार्गदर्शन करने के लिए हमारे बीच प्रकट होती हैं। जीवन के सभी रूपों के साथ एकात्म होकर, वे ऐसे कार्य संपन्न करती हैं जो साधारण मनुष्यों की पहुँच से परे होते हैं।

जो लोग अम्मा के पास आते हैं, उनमें से कई अपने दुखों को साझा करने के लिए अपना हृदय खोल देते हैं। उनके आँसू पोंछते हुए, अम्मा उनकी पारिवारिक समस्याओं, चिकित्सा समस्याओं, वित्तीय समस्याओं और सामाजिक समस्याओं के बारे में जानती हैं। इन्हीं परिस्थितियों के प्रत्युत्तर में अम्मा ने अपनी सभी मानवीय पहलों की शुरुआत की है। उनका कार्य न केवल लोगों के दर्द को कम करता है, बल्कि उनमें साहस और आत्मविश्वास भी भरता है। इससे जीवन रूपांतरित हो जाते हैं।

अम्मा वास्तव में 'विश्व-मातृत्व' की प्राचीन अवधारणा का साक्षात स्वरूप हैं। यह एक ऐसी एकता है जो न केवल अपने परिवार के प्रति, बल्कि सभी लोगों, सभी जानवरों, सभी पौधों, सभी पहाड़ों, सभी महासागरों और सभी सितारों के प्रति महसूस की जाती है। वास्तव में, जिस स्त्री में सच्चे मातृत्व का भाव जागृत हो जाता है, उसके लिए हर जीव, चाहे वह सजीव हो या निर्जीव, उसकी अपनी संतान है।

एक आध्यात्मिक गुरु के रूप में, अम्मा का प्रेम और करुणा अटूट है। जो लोग उनके शब्दों के अनुसार जीवन जीते हैं, उन्हें खुशी की तलाश में दूर नहीं भटकना पड़ेगा। खुशी खुद उन्हें ढूंढती हुई आएगी।

महिला पुजारी – एक प्राचीन परंपरा का पुनरुद्धार

हाल के समय तक, हिंदू धर्म में महिलाओं को मंदिर के गर्भगृह में पूजा करने की अनुमति नहीं थी। न ही वे किसी मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा कर सकती थीं या वैदिक अनुष्ठान संपन्न कर सकती थीं। यहाँ तक कि महिलाओं को वैदिक मंत्रों के उच्चारण की भी स्वतंत्रता नहीं थी। दशकों से, अम्मा इन सभी कार्यों को करने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित और नियुक्त कर रही हैं। इसके अलावा, माता अमृतानन्दमयी मठ द्वारा निर्मित सभी 'ब्रह्मस्थानम' मंदिरों में अम्मा ने स्वयं प्राण-प्रतिष्ठा समारोह संपन्न किए हैं। अम्मा कहती हैं, "महिलाओं के विरुद्ध वे निषेध (पाबंदियाँ) वास्तव में कभी भी वैदिक परंपराओं का हिस्सा नहीं थे। पूरी संभावना है कि उन्हें बाद में समाज के उच्च वर्ग के पुरुषों द्वारा महिलाओं का शोषण और दमन करने के लिए बनाया गया था। वे प्राचीन भारत में अस्तित्व में नहीं थे।"

आश्रम प्रकाशन - मठ ने अम्मा के जीवन और शिक्षाओं पर 30 से अधिक भाषाओं में कई पुस्तकें प्रकाशित की हैं। अम्मा के संन्यासी शिष्यों और भक्तों द्वारा लिखित इन पुस्तकों में आध्यात्मिक जीवन का सार समाहित है। मठ मासिक आध्यात्मिक पत्रिका 'मातृवाणी' का भी प्रकाशन करते हैं। 10 भारतीय और 7 विदेशी भाषाओं में उपलब्ध यह पत्रिका दुनिया भर के लाखों लोगों को अम्मा और उनके आश्रम की गतिविधियों से जुड़े रहने में मदद करती है।

भजन - पिछले 40 वर्षों में, अम्मा और अमृतापुरी आश्रम के निवासियों ने 4,000 से अधिक भजनों की रचना और रिकॉर्डिंग की है, जिसमें अम्मा ने स्वयं 35 से अधिक भाषाओं में गायन किया है। संगीत में पिरोए गए इन वास्तविक शास्त्रों में, हम अम्मा को आध्यात्मिकता के संपूर्ण भावों, भावनाओं, प्रार्थनाओं और सत्यों को गाते हुए पाते हैं।

ब्रह्मस्थानम मंदिर - 21 अप्रैल, 1988 को अम्मा ने केरल के कोडुंगल्लूर में आश्रम के पहले ब्रह्मस्थानम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की थी। तब से, उन्होंने भारत भर में 20 और तथा मॉरीशस (अफ्रीका) में एक मंदिर की स्थापना की है। ये मंदिर सभी जातियों, लिंगों और धर्मों के लोगों के लिए खुले हैं, जो सभी के प्रति अम्मा के दिव्य प्रेम को दर्शाते हैं। ये पवित्र स्थान कालातीत वैदिक प्रार्थना—"लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु" (दुनिया के सभी जीव सुखी हों)—के जीवंत स्वरूप हैं।

अमृतवर्षषम - अम्मा का जन्मोत्सव - हर साल 27 सितंबर को, दुनिया भर से लाखों लोग अम्मा के प्रेम, करुणा और निस्वार्थ सेवा के जीवन के प्रति अपना प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए अमृतापुरी आश्रम आते हैं। वास्तव में, अम्मा की अपना जन्मदिन मनाने की कोई इच्छा नहीं होती है, लेकिन वे अपने शिष्यों और भक्तों को ऐसा करने की अनुमति केवल इसलिए देती हैं ताकि इस आयोजन का उपयोग उनकी धर्मार्थ मानवीय परियोजनाओं के दायरे को बढ़ाने के लिए किया जा सके।

हर साल अपने जन्मदिन पर, अम्मा निर्धन जोड़ों का विवाह संपन्न कराती हैं ताकि वे पारंपरिक रीति-रिवाजों, आवश्यक वस्त्रों, सोने के आभूषणों और भोज आदि के साथ विवाह कर सकें।

पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए CRPF के 40 जवानों के परिवारों को अम्मा के 66वें जन्मदिन पर ₹5-5 लाख प्रदान किए गए।

अमृतपुरी

माता अमृतानन्दमयी मठ (MAM) का अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक मुख्यालय, अमृतपुरी, ठीक उसी स्थान पर स्थित है जहाँ अम्मा का जन्म हुआ था। दैनिक आधार पर, भारत और विदेश के हजारों भक्त अम्मा का आशीर्वाद और ज्ञान प्राप्त करने के लिए अमृतपुरी में एकत्रित होते हैं।

1981 में आधिकारिक तौर पर गठित होने के बाद से, अमृतपुरी एक जीवंत अंतरराष्ट्रीय समुदाय के रूप में विकसित हुआ है, जिसकी लोकाचार सनातन धर्म की प्राचीन अवधारणा—'वसुधैव कुटुम्बकम्' में निहित है। यह एक संस्कृत वाक्यांश है जिसका अर्थ है "संपूर्ण विश्व एक परिवार है।" आश्रम के निवासी, जिनमें दुनिया भर के 3,500 से अधिक संन्यासी शिष्य और गृहस्थ भक्त शामिल हैं, अम्मा से जीवन में नया आंतरिक अर्थ और आध्यात्मिक शांति प्राप्त करते हैं।

मानवता की सेवा करने और प्रेमपूर्ण देखभाल के साथ उन्हें गले लगाने के अम्मा के अथक प्रयासों के कारण, माता अमृतानन्दमयी मठ (MAM) ने 50 से अधिक देशों में अपनी सक्रिय उपस्थिति स्थापित की है। 100 से अधिक केंद्र और सैकड़ों स्वयंसेवक समूह अम्मा के मिशन और दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए समर्पित हैं—कि हम यहाँ उन लोगों के जीवन में एक सार्थक और गुणात्मक बदलाव लाने के लिए हैं जो मदद के हाथ की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

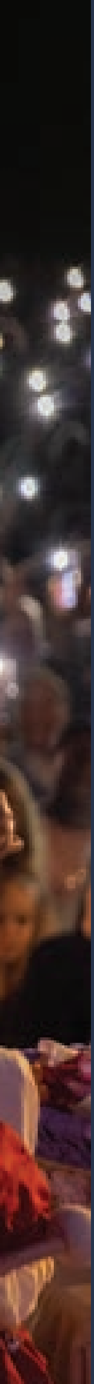

उनका प्रेम सीमाओं को नहीं जानता

अम्मा की विश्व यात्राएँ

1987 में, वह समय आया जब अम्मा ने दुनिया भर में अपने बच्चों को खोजना शुरू किया। तीन महीनों के लिए, उन्होंने अमेरिका में 14 स्थानों और यूरोप में चार स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। अधिकांश लोग अम्मा से पहले कभी नहीं मिले थे, फिर भी उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे वे उन्हें पहले से जानते हों। यह उनके मातृत्वपूर्ण आलिंगन और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए हृदय की अनगिनत पुकारों के उत्तर में उनके दशकों के सफर की शुरुआत थी।

आज, अम्मा ने भारत की लंबाई-चौड़ाई के साथ-साथ अमेरिका, यूरोप, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व की यात्रा की है। उनके कार्यक्रमों में वे भजन, ध्यान और विश्व शांति के लिए प्रार्थनाओं का नेतृत्व करती हैं। हालाँकि, उनका अधिकांश समय दर्शन प्राप्त करने के लिए आने वाले लाखों लोगों को गले लगाने में बीतता है, जिससे उन्हें अपने जीवन की यात्रा में आशा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

अम्मा की करुणा की यह विशाल अभिव्यक्ति स्वयंसेवकों के समर्पित कार्य के माध्यम से उनकी विश्वव्यापी मानवीय पहलों के विस्तार का मार्ग प्रशस्त करती है। उनके 'विश्व-मातृत्व' ने 50 से अधिक देशों में प्रेम और निस्वार्थ सेवा की आंतरिक मोमबत्तियों को प्रज्वलित किया है।

You are the Light

भारत की G20 अध्यक्षता के लिए अम्मा ने ‘सिविल 20’ (C20) की अध्यक्षता की

नागपुर, महाराष्ट्र में C20 के उद्घाटन समारोह में अम्मा और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी दीप प्रज्वलित करते हुए।

2022 में, अम्मा G20 के 'सिविल 20' (C20) एंगेजमेंट ग्रुप की अध्यक्षता करने वाली पहली आध्यात्मिक गुरु बनीं। 'आप ही प्रकाश हैं' (You are the Light)—जो सिविल 20 इंडिया का टैगलाइन था—एक ऐसा संदेश था जिसने दुनिया भर के लाखों लोगों तक आशा पहुँचाई।

G20 दुनिया की अधिकांश सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है और इसमें हमारी जनसंख्या का दो-तिहाई हिस्सा शामिल है। भारत सरकार ने 2023 के लिए इसकी अध्यक्षता की। C20 दुनिया के नागरिक समाज संगठनों (CSOs) और गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) की आवाज़ को G20 राष्ट्राध्यक्षों तक पहुँचाता है। यह उनका कार्य ही है जो जमीनी स्तर पर हमारे सबसे कमजोर लोगों की पीड़ा और हमारी प्राकृतिक दुनिया के विनाश को संबोधित करता है।

करुणा और धर्म में रची-बसी एक 'विश्व परिवार' की अम्मा की दृष्टि पूरी C20 यात्रा में चमकती रही। हालाँकि वैश्विक समुदाय ने कोविड-19 महामारी से बाहर निकलते समय विकट चुनौतियों का सामना किया, लेकिन आशावाद और आत्मविश्वास के कारण भी मौजूद थे।

उत्तर प्रदेश का मलखानपुर उन 27 भारतीय गाँवों में से एक था जहाँ मठ ने लोगों की बात सुनने और उनकी चिंताओं को G20 नेताओं तक पहुँचाने के लिए दौरा किया।

राजस्थान के जयपुर शिखर सम्मेलन (Summit) में 'C20 पॉलिसी पैक' जारी किया गया।

- सिविल 20 पॉलिसी पैक की नींव भारत की निस्वार्थ सेवा और समावेशी सामुदायिक भागीदारी की प्राचीन परंपराओं पर रखी गई थी।
- सिविल 20 इंडिया ने C20 के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक संख्या में लोगों तक पहुँच बनाई।
- आयोजनों में सरकारी मंत्रियों से लेकर दूरदराज के ग्रामीण इलाकों के स्वयंसेवकों तक ने भाग लिया।
- 1,300+ बैठकें (व्यक्तिगत और ऑनलाइन दोनों)।

CIVIL 20 INDIA 2023
#YouAreTheLight

c20.amma.org

- 154 देशों के 6,000 नागरिक समाज संगठन (CSOs) और गैर-सरकारी संगठन (NGOs)।
- भारत के 27 गाँवों में करुणा-आधारित सामुदायिक चर्चाएँ।
- जन अभियानों के माध्यम से 45 लाख से अधिक लोगों तक पहुँच।
- कुल मिलाकर, भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इजरायल, केन्या, कोरिया, पुर्तगाल, स्पेन, स्विट्ज़रलैंड और अमेरिका में 12,000+ कार्यक्रम।
- अम्मा ने कुपोषित गर्भवती महिलाओं और दिव्यांगों के कल्याण के लिए ₹50 करोड़ की परियोजना शुरू की।

“आइए हम सब, एक मन और एक लक्ष्य के साथ, विश्व के कल्याण के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने हेतु आगे बढ़ें। हमारे कार्य उन लोगों के लिए एक उदात्त आदर्श बनें जो हमारे बाद आएंगे। हमारे जीवन का वृक्ष प्रेम की मिट्टी में मजबूती से लगा हो। हमारे सत्कर्म इसकी पत्तियाँ हों। हमारे दयालु शब्द इसके फूल हों। शांति इसका फल हो। यह विश्व प्रेम में एकजुट होकर एक परिवार के रूप में विकसित और समृद्ध हो। **‘वसुधैव कुटुम्बकम्**’—संपूर्ण विश्व एक परिवार है—का भाव जागृत हो, व्यवहार में आए और हर किसी के जीवन में फलीभूत हो। हम एक ऐसी दुनिया का अनुभव करें जहाँ अनंत शांति और सामंजस्य हो। ईश्वरीय कृपा हम सभी पर बनी रहे।”

— **अम्मा,** माननीय अध्यक्षा, सिविल 20 (C20) इंडिया 2023

करुणा - समय की पुकार

शिकागो में C20 संगोष्ठी

अपनी अंतरराष्ट्रीय पहुँच के हिस्से के रूप में, ‘सिविल 20 इंडिया’ ने इलिनोइस के शिकागो स्थित हमारे केंद्र में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। अम्मा के सबसे वरिष्ठ शिष्य और C20 ट्रोइका सदस्य, स्वामी अमृतस्वरूपानंद पुरी ने आज की दुनिया में करुणा की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए चर्चाओं का नेतृत्व किया। स्वामीजी ने कहा कि देशों पर सीमाओं की रक्षा करने और साथ ही एकता को बढ़ावा देने की दोहरी जिम्मेदारी है। धर्म का पालन करने का अर्थ है केवल वही लेना जिसकी हमें आवश्यकता है और समाज तथा प्रकृति को वापस लौटाना।

नैरोबी, केन्या में सामुदायिक चर्चाएँ।

भुवनेश्वर, ओडिशा में C20 लोगो (Logo) की मानव श्रृंखला द्वारा आकृति।

सिविल 20 अमृता वर्किंग ग्रुप्स (कार्य समूह)

यह स्पष्ट था कि C20 टीम ने अपने सभी 16 वर्किंग ग्रुप्स के साथ अत्यंत ईमानदारी, प्रेम और समर्पण के साथ अपना कार्य संपन्न किया है। प्रत्येक व्यक्ति ने हमारे विश्व के जमीनी स्तर से शुरू होने वाले प्रस्तावित समाधानों को खोजने, आवश्यक जानकारी एकत्र करने, शोध करने और उन्हें बेहतर बनाने के लिए दिन-रात काम किया। मठ ने इनमें से पाँच वर्किंग ग्रुप्स का नेतृत्व किया।

- सतत और लचीले समुदाय जलवायु, पर्यावरण और नेट-जीरो लक्ष्य।
- एकीकृत समग्र स्वास्थ्य
- शिक्षा और डिजिटल परिवर्तन
- लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण
- प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और पारदर्शिता

"अम्मा हमारे सामने यहाँ साक्षात खड़ी हैं—एक मानव शरीर में ईश्वर का प्रेम।"

— डॉ. जेन गुडॉल प्रसिद्ध प्राइमेटोलॉजिस्ट (वानर-विज्ञानी) और संयुक्त राष्ट्र शांति दूत

1. अबू धाबी में 'बाल गरिमा की रक्षा' शिखर सम्मेलन में अम्मा।
2. जिनेवा में अहिंसा के लिए गांधी-किंग पुरस्कार प्राप्त करते हुए।
3. शंघाई में संयुक्त राष्ट्र सभ्यताओं का गठबंधन (UNAOC)।
4. वैटिकन में 'आधुनिक गुलामी के विरुद्ध धार्मिक नेताओं की संयुक्त घोषणा'।
5. बफ़ेलो, न्यूयॉर्क के SUNY (स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क) से 'डॉक्टरेट ऑफ ह्यूमेन लेटर्स' की मानद उपाधि प्राप्त करते हुए।

अम्मा के सम्मान और अंतरराष्ट्रीय संबोधन

पिछले 30 वर्षों में, शांति और बुद्धिमत्ता से भरे अपने शब्दों के लिए अम्मा की आवाज़ की अत्यधिक मांग रही है। हर साल अम्मा को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में—विश्व धर्म संसद से लेकर संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों के कार्यक्रमों और सरकारी व शैक्षणिक समारोहों तक—संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इन कार्यक्रमों में, अम्मा दुनिया की सबसे ज्वलंत समस्याओं के मूल तक जाती हैं और स्पष्ट विश्लेषण व ठोस समाधान प्रस्तुत करती हैं। उनकी बुद्धिमत्ता और निस्वार्थ सेवा के जीवन को स्वीकार करते हुए, प्रतिष्ठित संगठनों ने अम्मा को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की है, और उन्हें कई पुरस्कारों व सम्मानों से नवाजा गया है।

प्रदत्त सम्मान

2025 विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय संबंध शांति पुरस्कार, अमृतपुरी
2023 भारत की G20 अध्यक्षता के लिए सिविल 20 (C20) एंगेजमेंट ग्रुप की अध्यक्षता
2023 शांति और सुरक्षा के लिए विश्व नेता पुरस्कार, बोस्टन ग्लोबल फोरम
2019 मैसूर विश्वविद्यालय से 'डॉक्टरेट ऑफ ह्यूमेन लेटर्स' की मानद उपाधि
2018 'स्वच्छ भारत अभियान' में सबसे बड़ा वित्तीय योगदान, नई दिल्ली
2017 सोल्जर्स ऑफ पीस इंटरनेशनल एसोसिएशन का शांति स्मारक स्वर्ण पदक, टूलॉन (फ्रांस)
2017 प्रोवेंस-आल्प्स-कोट्स डी'अज़ूर क्षेत्र का पदक, टूलॉन
2017 हिंदू रत्न पुरस्कार, केरल
2015 फैशन4डेवलपमेंट मेडल ऑफ ऑनर, न्यूयॉर्क
2014 कविथिलकम पंडित करप्पन पुरस्कार, केरल
2010 SUNY (स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क), बफ़ेलो से 'डॉक्टरेट ऑफ ह्यूमेन लेटर्स'
2007 प्रिक्स सिनेमा वेरिटे (Prix Cinéma Vérité), पेरिस
2006 जेम्स पार्क्स मॉर्टन इंटरफेथ अवार्ड, न्यूयॉर्क
2006 दार्शनिक संत श्री ज्ञानेश्वर विश्व शांति पुरस्कार, पुणे
2005 महावीर महात्मा पुरस्कार, लंदन
2005 रोटेरियन इंटरनेशनल का शताब्दी दिग्गज पुरस्कार (Centenary Legendary Award), केरल
2002 अहिंसा के लिए गांधी-किंग पुरस्कार, जिनेवा
1998 'केयर एंड शेयर' इंटरनेशनल ह्यूमैनिटेरियन ऑफ द ईयर अवार्ड, शिकागो
1993 हिंदू पुनर्जागरण पुरस्कार (Hindu Renaissance Award), 'हिंदुइज्म टुडे'

अंतरराष्ट्रीय संबोधन

2023 सिविल 20 शिखर सम्मेलन, G20 इंडिया, जयपुर
2023 विश्व हिंदू कांग्रेस, बैंकॉक
2018 ऑनलाइन बच्चों की सुरक्षा के लिए अंतरधार्मिक शिखर सम्मेलन, अबू धाबी
2015 जलवायु के लिए विवेक शिखर सम्मेलन (Summit of Conscience), पेरिस (वीडियो संदेश)
2015 सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर UNAI सम्मेलन, न्यूयॉर्क
2014 आधुनिक गुलामी के विरुद्ध धार्मिक नेताओं की संयुक्त घोषणा, वैटिकन
2014 'करुणा पर संवाद', स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया
2013 स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती समारोह, नई दिल्ली
2012 संयुक्त राष्ट्र सभ्यताओं का गठबंधन (UNAOC), शंघाई
2009 विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन का उद्घाटन, नई दिल्ली
2008 महिलाओं की वैश्विक शांति पहल (GPIW) का शिखर सम्मेलन, जयपुर
2007 सिनेमा वेरिटे फिल्म महोत्सव, पेरिस
2006 जेम्स पार्क्स मॉर्टन इंटरफेथ अवार्ड्स, न्यूयॉर्क
2004 विश्व धर्म संसद, बार्सिलोना
2002 महिला धार्मिक एवं आध्यात्मिक नेताओं की वैश्विक शांति पहल, संयुक्त राष्ट्र, जिनेवा
2000 सहस्राब्दी शांति शिखर सम्मेलन (Millennium Peace Summit), संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क
1995 संयुक्त राष्ट्र की 50वीं वर्षगांठ पर अंतरराष्ट्रीय समारोह, न्यूयॉर्क
1993 विश्व धर्म संसद की 100वीं वर्षगांठ, शिकागो

“दुनिया में हर कोई कम से कम एक रात बिना किसी डर के सो सके।
हर कोई कम से कम एक दिन पेट भर खाना खा सके।
कम से कम एक दिन ऐसा हो जब अस्पतालों में हिंसा के कारण कोई भी भर्ती न हो।
कम से कम एक दिन निस्वार्थ सेवा करके, हर किसी को जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।
अम्मा की यही प्रार्थना है कि कम से कम यह छोटा सा सपना साकार हो।”

— श्री माता अमृतानन्दमयी देवी, अम्मा

माता अमृतानन्दमयी मठ
अमृतपुरी पी.ओ.,
कोल्लम - 690546,
केरला, भारत

अधिक जानकारी के लिए देखें
amma.org/humanitarian

© 2026 - माता अमृतानन्दमयी मठ, अमृतपुरी, कोल्लम, केरला 690546, भारत। सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की पूर्व सहमति और लिखित अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी हिस्से को किसी भी रूप में, किसी भी माध्यम से, किसी भी भाषा में संग्रहीत, प्रसारित, पुनरुत्पादित, प्रतिलेखित या अनुवादित नहीं किया जा सकता है। संस्करण 05 | मार्च 2026